केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 216 सोमवार 26 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कौशाम्बी में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 9 की मौत

कौशाम्बी (आभा)। कोखराज थाना क्षेत्र में भरवारी कस्बे के वार्ड नंबर 23 में एक पटाखा फैक्टरी में रविवार को सुबह करीब 11.30 बजे विस्फोट हो गया। इसमें 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जन भर से अधिक लोग झुलस गए हैं।

मौके पर दमकल की गाड़ियां पहुंच गई विस्फोट इतना जबर्दस्त था का इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। एसपी बृजेश श्रीवास्तव ने चार लोगों के मौत होने की पुष्टि की है। पटाखे के टुकड़े कई किलोमीटर दूर तक उड़कर पहुंच गए हैं। घटना भरवारी के खलीलाबाद इलाके में स्थित पटाखा फैक्टरी में हुई है। शिव नारायण पटेल और फैक्टरी मालिक शाहिद अली पुत्र शराफत अली के बाद तीसरे मृतक की पहचान हो गई है। तीसरे मृतक की पहचान शिवकांत (25) पुत्र राम भवन निवासी अंबहा के रूप में की गई। पटाखा फैक्टरी खलीलाबाद के रहने वाले शराफत अली की बताई जा रही है। शराफत अली न्यू रंगोली फायरवर्क्स के नाम से पटाखा फैक्टरी चलाते हैं। हादसे में फैक्टरी मालिक शराफ के एक बेटे के भी मौत की सूचना है।

मुख्यमंत्री से लगाया विद्यालय के जमीन के रक्षा की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के भरौली बाबू निवासी जगदम्बा प्रसाद पुत्र गोरखनाथ चौबे ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर विद्यालय के जमीन की रक्षा की मांग करते हुये न्याय की गुहार लगाया है।

भेजे पत्र में जगदम्बा प्रसाद ने कहा है कि वे संतनरायण स्कूल के नाम से विद्यालय चलाते है जिसके भूमि का पिलर लगा कर सीमांकन किया जा चुका है। गांव के ही दीपक सिंह पुत्र सूर्य प्रकाश सिंह विद्यालय के जमीन पर जबरिया षड्यंत्रपूर्वक कब्जा कर लेना चाहते है, विरोध करने पर उन्हें जानमाल की धमकी दी जा रही है। जगदम्बा ने पत्र में कहा है कि उन्होने अस्मिता सिंह से जमीन खरीदी है लेकिन दबंगई के बल पर दीपक सिंह विद्यालय की जमीन को हड़पना चाहते है। इस संबंध में थाना वाल्टरगंज से शिकायत की गई थी लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्होने अपने जान माल और जमीन के रक्षा की गुहार लगाया है।

नगरपालिका ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जाम से निजात दिलाने को नगर पालिका अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू कर दिया है। कटरा पानी टंकी के पास अभियान चलाकर सड़क पटरियों से अवैध कब्जा हटाया गया।

एसडीएम/ईओ नगर पालिका सत्येंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर टीम ने कटरा पानी टंकी और संत गाडगे तिराहे से लेकर शौचालय तक जेसीबी लगाकर सड़क पटरियों पर अवैध तरीके से लगी दुकानों को हटाया। टीनशेड पर बुलडोजर चलाया गया। पटरियों को कब्जा से मुक्त कराया गया। ईओ ने कहा कि अतिक्रमण किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहाकि न्याय मार्ग पर जो पटरी पर दुकानें लगाए हैं उनको चेतावनी दी गई है। अतिक्रमण नहीं हटाने पर कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण हटाने के दौरान लोगों में खलबली रही। जेसीबी देखकर कई लोग खुद ही टीनशेड हटाने लगे। इस दौरान केएनए उदयभान, संपत्ति प्रभारी गिरीश सिंह, विक्रम सिंह, राजाराम आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने वितरित किया नियुक्ति पत्रः बोले- पेपर लीक कर युवाओं के साथ 'पाप' करने वाले न घर के रहेंगे न घाट के

लखनऊ (आभा)। पुलिस भर्ती परीक्षा में कथित प्रश्नपत्र लीक मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे तत्वों को खुली चेतावनी दी है जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहे हैं। सीएम योगी ने दो टूक कहा है कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना राष्ट्रीय पाप है और इसमें लिप्त लोगों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वो ना घर के रहेंगे ना घाट के। ऐसे तत्वों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई भविष्य के लिए नजीर के रूप में याद रखी जाएगी। रविवार को लोकभवन में विभिन्न विभागों में करीब 1800 पदों पर निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपने के उपरांत सीएम योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारा पहले दिन से ही संकल्प है कि नियुक्ति की प्रक्रिया अगर ईमानदारी से आगे नहीं बढ़ पा रही है तो ये युवाओं के साथ खिलवाड़ है और अपनी प्रतिभा को पलायन के लिए मजबूर करता है। अगर युवा के साथ अन्याय होता है तो यह राष्ट्रीय पाप है। पहले दिन से ही हमने तय किया है कि युवाओं के जीवन और भविष्य के साथ जो भी खिलवाड़ करेगा हम जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर उन तत्वों से उतनी ही सख्ती और कठोरतम तरीके से निपटने का काम करेंगे। हमारे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सरकार पहले भी कार्रवाई करती रही है और एक बार फिर कड़ी कार्रवाई करने जा रही है। सीएम योगी ने कहा कि हम सभी तकनीक का उपयोग करते हैं। इसी तरह ऐसे तत्व भी तकनीक का उपयोग गलत कार्य के लिए करते। कई बार सोचता हूं कि वो लोग तकनीक का इस्तेमाल करके अच्छे काम करते तो आगे बढ़ते और खुशहाल होते। मगर अब वे न घर के रहेंगे न घाट के और सरकार की कार्रवाई ऐसी होगी कि जो दूसरों के लिए नजीर बनेगी।

मुख्यमंत्री ने अलग अलग विभागों में चयनित युवाओं को प्रदेश की सेवाओं में आने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का विजन ही डबल इंजन सरकार का मिशन भी है। निष्पक्षता और पारदर्शी तरीके से हर नौजवान को उसका अधिकार प्राप्त हो सके, सरकार इसके लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उसी का परिणाम है कि पिछले 7 साल में 6 लाख से अधिक युवाओं को अब तक प्रदेश के शासकीय विभागों में नौकरियां प्रदान की गई हैं।

नियुक्ति की प्रक्रिया सभी आयोगों और बोर्डों के माध्यम से निरंतर जारी है। एक तरफ सरकारी विभागों में पूरी सुविधा और पारदर्शिता पूर्ण तरीके से नियुक्ति की प्रक्रिया को संपन्न किया जा रहा है, वहीं नौकरी और रोजगार की नई संभावनाओं के लिए जो प्रयास प्रारंभ किये गये हैं उनके सार्थक परिणाम हमें देखने को मिल रहे हैं।

सीएम योगी ने नवचयनित अभ्यर्थियों से अपील की कि वे ईमानदारी पूर्वक अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए प्रदेश और देश के विकास पर अपना फोकस रखें। साथ ही गरीबों के प्रति संवेदनशील व्यवहार के साथ ही जवाबदेही व जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए कार्य करें।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल, प्रियंका के साथ शामिल हुये अखिलेश, कहा संविधान, लोकतंत्र बचाने की चुनौती

आगरा (आभा)। सात साल पहले मशहूर हुई 'यूपी के दो लड़कों' की जोड़ी रविवार को आगरा में नजर आई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहली बार शामिल हुए। प्रियंका गांधी ने अखिलेश यादव का स्वागत किया। प्रियंका ने कहा कि आज भारत जोड़ो यात्रा में अखिलेश यादव के पहुंचने से बहुत खुशी का दिन है। अखिलेश यादव ने यात्रा को संबोधित करने के बाद राहुल और प्रियंका गांधी के साथ लाल जीप पर रोड शो भी किया। इससे पहले अखिलेश यादव और राहुल गांधी ने 2017 में एक साथ मंच साझा किया था और यूपी विधानसभा का चुनाव मिलकर लड़ा था। सात साल बाद राहुल और अखिलेश एक साथ यूपी में किसी सार्वजनिक मंच पर दिखाई दिए हैं।

राहुल–प्रियंका के साथ मंच साझा कर अखिलेश यादव भी गदगद नजर आए। अखिलेश ने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से जो संदेश जा रहा है, वह भाजपा को हराएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि आगरा शहर दुनिया में जाना जाता है। मुझे इस बात की खुशी है कि राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान को लेकर चले हैं और यह पूरा शहर मोहब्बत का शहर है। आने वाले समय में लोकतंत्र और संविधान को बचाने की चुनौती हैं।

अखिलेश ने मोदी और योगी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि आज हमारे पास संविधान बचाने की चुनौती है। बाबा साहेब ने जो

सपना देखा था उसे भाजपा ने उसे लूटने का काम किया है। आज सवाल किसानों को भविष्य का है। जो लोग किसानों का नारा देते थक नहीं रहे थे उनकी सरकार में किसानों की जान जा रही है। इन्हें कोई दुख नहीं है कि आठ सौ से ज्यादा किसानों की जान चली गई। अखिलेश ने कहा कि आज सरकार के खिलाफ किसान खड़ा है। किसानों की ताकत से सरकार घबरा गई है। आने वाले समय में भाजपा हटेगी और फ्फ्क्। गठबंधन की सरकार किसानों को सम्मान दिलाएगी।

अखिलेश ने कहा कि केवल भारत माता की जय बोलकर के नौजवानों को छला जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में सबसे ज्यादा भर्तियां होनी चाहिए लेकिन न रोजगार मिला न नौकरी मिली। कोई ऐसा पेपर नहीं हुआ जिसका पेपर लीक न हुआ हो। जानबूझकर पेपर लीक किया जा रहा है ताकि नौकरी न देनी पड़ी। आज पीडीए ही एनडीए को हराएगा।

वहीं,राहुल गांधी ने भी मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला। राहुल ने कहा कि अगर आप गरीब हैं तो आपके साथ 24 घंटे इस देश में अन्याय होगा। नफरत का कारण अन्याय है, इसलिए हमने अपने यात्रा में न्याय शब्द को जोड़ दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि इस देश में पिछड़े वर्ग के 50 प्रतिशत लोग हैं। 15 प्रतिशत दलित वर्ग के लोग हैं। इस देश में अल्पसंख्यक 15 प्रतिशत हैं। इसमें 5 प्रतिशत आदिवासी भी जोड़ दो तो 85 प्रतिशत होता है। अब बड़ी कंपनियों की मैनेजमेंट की लिस्ट निकालों। उसमें दिखेगा कि 85 प्रतिशत का एक भी आदमी इन कंपनियों में नहीं है। सीनियर मैनेजमेंट में एक आदमी 85 प्रतिशत में से नहीं है। फिर मीडिया की लिस्ट निकालो, पता चलेगा कि 85 प्रतिशत में से एक आदमी भी मीडिया का मालिक नहीं है। इस अन्याय को ही दूर करने के लिए न्याय यात्रा निकाली जा रही है।

अंबेडकरनगर से सांसद रितेश पाण्डेय बसपा छोड़ भाजपा में शामिल

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बसपा को बड़ा झटका लगा है। अंबेडकरनगर से सांसद रितेश पांडेय मायावती का साथ छोड़ भाजपा में शामिल हो गए हैं। रविवार सुबह उन्होंने पार्टी में उपेक्षा का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था लेकिन इसके कुछ घंटे बाद ही उन्होंने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत अन्य नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए।

आगामी आम चुनाव से ठीक पहले सांसद रितेश पांडेय ने बसपा का साथ छोड़ मायावती को बड़ा झटका दिया है। भाजपा ज्वाइन करने से पहले उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा कि लंबे समय से उन्हे न तो पार्टी की बैठकों में बुलाया जा रहा था और न ही नेतृत्व स्तर पर संवाद किया जा रहा था। अंबेडकर नगर से सांसद रितेश पांडेय का दावा है कि उन्होंने मायावती और शीर्ष पदाधिकारियों से संपर्क करने के लिए कई प्रयास किये लेकिन उनका परिणाम नहीं निकला।

सांसद रितेश पांडेय उन 9 सांसदों में से हैं जिन्होंने बजट सत्र के दौरान पीएम मोदी के साथ लंच किया था। उनके पिता राकेश पांडेय समाजवादी पार्टी से जलालाबाद सीट से विधायक हैं।

रितेश पांडेय के बसपा से इस्तीफा देने और भाजपा ज्वाइन करने पर मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, स्वसपा राजनीतिक दल के साथ–साथ परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के स्वाभिमान और स्वाभिमान के मिशन को समर्पित एक आंदोलन भी है, जिसके कारण इस पार्टी की नीति और कार्यशैली पूंजावादी पार्टियों से अलग है जिसे ध्यान में रखकर उम्मीदवार भी उतारते हैं। अब बसपा सांसदों को इस कसौटी पर खरा उतरना होगा और खुद को भी परखना होगा कि क्या उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता का ठीक से ख्याल रखा? क्या आपने अपना पूरा समय अपने क्षेत्र को दिया? साथ ही क्या उन्होंने पार्टी और आंदोलन के हित में समय–समय पर दिए गए दिशा–निर्देशों का ठीक से पालन किया है? ऐसे में क्या ज्यादातर लोकसभा सांसदों को टिकट देना संभव है, खासकर तब जब वे अपने हित में इधर–उधर घूमते नजर आ रहे हों और नकारात्मक खबरों में हों। यह सब जानते हुए भी मीडिया द्वारा इसे पार्टी की कमजोरी के रूप में प्रचारित करना अनुचित है।

बस्ती मेडिकल कालेज में कब शुरू होगा आक्सीजन प्लांट.? बाहर से होती है खरीद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज की चिकित्सा इकाई ओपेक चिकित्सालय कैली में मरीजों की सहूलियत के लिए लगाए गए ऑक्सीजन प्लांट लापरवाही के कारण निष्प्रयोज्य है। हाल यह है कि 1.90 करोड़ के प्लांट से अभी तक ऑक्सीजन नहीं निकला। प्लांट से पाइपलाइन कनेक्ट नहीं होने का बहाना बनाकर बाहर से आक्सीजन सिलेंडर खरीदा जा रहा है।

कोरोना के समय मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की खपत बढ़ गई थी। उसे देखते हुए मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने उपलब्ध स्टेट बजट से परिसर में 1.90 करोड़ रुपये खर्च करते हुए 1000 एलएमपी के ऑक्सीजन प्लांट लगवाया। अत्याधुनिक मशीनें आईं और प्लांट को क्रियाशील कर दिया गया। लेकिन, वार्डों में बेड–टू–बेड पाइपलाइन कनेक्शन नहीं होने के कारण ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं दी जा सकी। कनेक्शन नहीं होने के कारण प्लांट सिर्फ दिखावा बनकर रह गया है। बताया जाता है कि प्लांट दुरुस्त है, लेकिन जब तक वार्डों को पाइप लाइन से कनेक्ट नहीं किया जाएगा, तब तक आपूर्ति नहीं की जा सकती है। इससे मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। आज भी बाहर से आक्सीजन सिलेंडर लेकर मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

पर्याप्त ऑक्सीजन आपूर्ति की व्यवस्था होने के बाद लापरवाही के कारण ऑक्सीजन बाहर से मंगवाना पड़ रहा है। बताया जाता है कि

वर्तमान में 15 से 20 सिलेंडर की खपत है। एक सिलेंडर भरवाकर मंगवाने पर कॉलेज प्रशासन को 220 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। यानी की रोजाना तीन से चार हजार रुपये ऑक्सीजन मंगवाने में खर्च किया जा रहा है।

कैली अस्पताल में सिक इंसेंटिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) और पीडियाट्रिक इंसेंटिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) के लिए दो छोटे ऑक्सीजन प्लांट लगे हुए हैं। 500 एलएमपी के लगे ऑक्सीजन प्लांट को रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय भारत सरकार, जबकि 165 एलएमपी के ऑक्सीजन प्लांट को टोरेंटो गैस कंपनी की ओर से डोनेट किया गया था। इन दोनों प्लांट से दोनों वार्ड कनेक्ट हैं, जहां पर सप्लाई दी जाती है।

1000 एलएमपी क्षमता वाले ऑक्सीजन प्लांट से आपूर्ति शुरू करने के लिए बनाई गई नई बिल्डिंगों में ऑक्सीजन पाइप लाइन का काम होना है। सर्जिकल वार्ड, मेल वार्ड समेत अन्य वार्डों में पाइप लाइन लगवाने पर 13 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके लिए राजकीय निर्माण निगम को कार्य मिला है, लेकिन अभी तक कार्य शुरू नहीं हो पाया है। ऐसे में ऑक्सीजन प्लांट से आपूर्ति शुरू नहीं हो पा रही है।

भारतीय कुर्मी महासभा की बैठक में सांगठनिक विस्तार पर जोर, जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय कुर्मी महासभा उप्र. की बैठक रविवार को आर.डी. सर माउन्ट स्कूल निकट अमहट पुल के समागार में जिलाध्यक्ष डॉ. वीके वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में महासभा के सांगठनिक विस्तार के साथ ही सामाजिक मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। डॉ. वर्मा ने कहा कि अपने समाज के शिक्षा, स्वास्थ्य एवं राजनीतिक चेतना को जागृत करने के उद्देश्य से एकजुटता के साथ साझा प्रयास करने होंगे। बैठक में अमहट घाट के निकट स्थित लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल पार्क के विस्तार और साफ सफाई, सौन्दर्यीकरण के लिये प्रशासन से आग्रह करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में कुर्मी महासभा के प्रदेश संगठन सचिव आर.के. सिंह पटेल, मण्डल अध्यक्ष डा. हनुमान प्रसाद चौधरी, मण्डल उपाध्यक्ष बद्री प्रसाद चौधरी, जिला महासचिव ई. के.सी. चौधरी आदि ने महासभा को और अधिक सक्रिय करने, प्रति माह बैठक आयोजित करने आदि का सुझाव दिया। इसके बाद डा. वी.के. वर्मा को उनके दुबई यात्रा से लौटने के बाद उन्हें महासभा पदाधिकारियों ने अंग वस्त्र भेंटकर माल्यार्पण करते हुये स्वागत किया गया। मुख्य रूप से अशोक कुमार वर्मा, एम.आर. चौधरी, अशोक कुमार चौधरी, घनश्याम चौधरी, विद्यासागर चौधरी, कुंवर अजय चौधरी, डॉ. श्याम नारायन चौधरी, अभिषेक चौधरी, प्रमोद कुमार चौधरी, रमेश चन्द्र वर्मा, प्रदीप चौधरी 'राना' कल्याण जी चौधरी, आदि मौजूद रहे।

हक और हिस्सेदारी के लिये संघर्ष तेज करेगी जन अधिकार पार्टी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जन अधिकार पार्टी की बैठक रविवार को प्रेस क्लब समागार में जिलाध्यक्ष आशीष मौर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सांगठनिक विस्तार पर चर्चा के साथ ही आगामी लोकसभा के चुनाव में पार्टी की भूमिका पर विचार किया गया।

जन अधिकार पार्टी के मण्डल प्रभारी सुनील मौर्य ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व कैबीनेट मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में सम्पूर्ण भागीदारी यात्रा चल रही है। कहा कि आजादी के बाद लोकतंत्र की स्थापना हुई, इसकी मंशा थी कि देशवासी मिलजुल कर एक सशक्त, समृद्धशाली राष्ट्र का निर्माण करेंगे। सभी देशवासियों को आबादी के अनुरुप हक हिस्सेदारी मिलेगी, लेकिन देश की मेहनतकश जनता के साथ धोखा हुआ। खासकर पिछड़े, दलितों व अल्पसंख्यकों को हक हिस्सेदारी से साजिश करके वंचित कर दिया गया। उनको अधिकार दिलाने के लिये पार्टी हर स्तर पर संघर्ष तेज करेगी।

जिलाध्यक्ष आशीष मौर्य ने कहा कि देश में असली लड़ाई भागीदारी, एक देश एक समान पाठ्यक्रम शिक्षा, अच्छी चिकित्सा सुविधा, नौजवानों को बिना भेदभाव के रोजगार दिए जाने, समान रोजगार का रोजगार दिए जाने, प्रभावी महंगाई नियंत्रण का है। कहा कि जन अधिकार पार्टी एक आंदोलन का नाम है, जो सत्ता के साथ व्यवस्था परिवर्तन के माध्यम से देश में आमूलचुक परिवर्तन कर समाज के अंतिम व्यक्ति के होठों पर मुस्कान लाना चाहती है। जनपद में संगठन का विस्तार कर इसे मजबूत बनाया जायेगा।

–बैठक में सांगठनिक मजबूती पर जोरः जिलाध्यक्ष आशीष मौर्य का फूल मालाओं के साथ स्वागत

कार्यक्रम में झिनकान मौर्य, अखिलेश प्रजापति, अभिषेक मौर्य आदि ने पार्टी के नीति, कार्यक्रमों पर विस्तार से जानकारी देते हुये एकजुटता पर जोर दिया। इसके पूर्व नवागत जिलाध्यक्ष आशीष मौर्य का पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने अनेक स्थानों पर फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। मुख्य रूप से दिनेश शर्मा, ओम प्रकाश मौर्य, अंकुर साहनी, आलोक सिंह, संजय मौर्य, अजय, हनुमान, घनश्याम मौर्य, मोनू गौतम के साथ ही जन अधिकार पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

अयोध्या के रामलला मंदिर में सांसद हरीश द्विवेदी के साथ भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं ने किया दर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अयोध्या में भगवान रामलला का मंदिर बन गया है। भगवान रामलला मंदिर में विराजमान हो चुके हैं। राम मंदिर उद्घाटन के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। रविवार को सांसद हरीश द्विवेदी, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, विधायक अजय सिंह, रवि सोनकर, अनिल दुबे, अरविन्द पाल, श्रीश पाण्डेय, केके सिंह, यशकांत सिंह, भानु प्रकाश मिश्र सहित सभी जनप्रतिनिधि बस्ती से सभी राम भक्तों का काफिला अयोध्या के लिए रवाना हुआ। सभी जनप्रतिनिधि सहित लगभग 11500 से अधिक राममक्त 185 बसों के जरिए अयोध्या पहुंचे। जिला महामंत्री किसान मोर्चा अमृत कुमार वर्मा ने विज्ञप्ति द्वारा बताया कि 2138 बूथ से 11500 से अधिक

बीजेपी कार्यकर्ताओं की सूची बनाई गयी थी। प्रत्येक बूथ से तीन से पांच बीजेपी कार्यकर्ताओं को रामलला दर्शन करने की योजना थी। राममक्तों के लिए खाने–पीने की व्यवस्था बस में ही उपलब्ध करा दी गई। बसों की रवानगी के समय माहौल नारों से गुंजयमान हो गया। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के उद्घोष किए। 185 बसों में सवार होकर ग्यारह हजार से अधिक राममक्त रामलला का दर्शन अयोध्या निकले। इसके जिले के प्रमुख स्थानों पर बस लगाई गई थी साथ ही साथ हर बस के लिए प्रभारी भी तय हुए थे। बस्ती के बीजेपी कार्यकर्ताओं में अयोध्या जाने का जबरदस्त उत्साह देखा गया। पहले 28 जनवरी को बस्ती से दर्शन के लिए दिन तय हुआ था पर भारी भीड़ की वजह से उस समय टाल दिया गया था।

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा प्राचीन पवित्र शहर अयोध्या में उनके जन्मस्थान पर भगवान श्रीराम के भव्य और दिव्य मंदिर का निर्माण देश के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवशाली उपलब्धि है। यह अगले 1,000 वर्षों के लिए भारत में 'राम राज्य' की स्थापना का प्रतीक है और एक नए कालचक्र की शुरुआत है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहां की अपने कार्यकर्ताओं के साथ दिव्य दर्शन का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस क्षण की प्रतीक्षा सैकड़ो वर्षों से हो रही थी। अयोध्या अब पूरी तरह बदल चुकी है।

इस मौके पर सभी ब्लाक प्रमुख, जिला पदाधिकारी, मण्डल के सभी पदाधिकारी सहित बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं ने दर्शन किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 फरवरी 2024 सोमवार

सम्पादकीय

किसान आन्दोलन और सरकार

किसान विरोध प्रदर्शन के दूसरे दौर के दौरान हरियाणा पुलिस द्वारा अत्यधिक और जबरदस्ती किए गए बल प्रयोग के परिणामस्वरूप पंजाब के बठिंडा जिले के बालोके गांव के एक 21 वर्षीय युवा किसान शुभकरण सिंह की दुर्भाग्यपूर्ण और टालने योग्य मौत क्या उचित है। इसकी कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए। वर्तमान आंदोलन एक बार फिर भारतीय कृषि को प्रभावित करने वाले बड़े संरचनात्मक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है।

विडम्बना यह है कि इन संरचनात्मक दोष रेखाओं की उत्पत्ति स्वतंत्रता के तुरंत बाद लागू किए गए प्रगतिशील और लाभकारी कानूनों में निहित है, अर्थात विभिन्न भूमि सीमा और जमींदारी, रैयतवाड़ी, महलवारी उन्मूलन कानून, जिन्हें जोतने वालों को भूमि देने और किसानों के खतरनाक शोषण को समाप्त करने के लिए सही ढंग से प्रख्यापित किया गया था। कुख्यात सामंती अभिजात्य वर्ग को अंग्रेजों ने गरीबों और गरीब किसानों से राजस्व वसूलने के लिए बनाया था।

जिन लोगों ने 1953 की बॉलीवुड फिल्म 'दो बीघा जमीन' देखी होगी, वे शायद उस दौरान जमींदारों द्वारा असहाय छोटे और सीमांत किसानों पर किए गए अत्याचारों से वाकिफ हो सकते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि 1951 में पहले संशोधन के माध्यम से भारत के संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल किए गए इन प्रगतिशील कानूनों को कभी वापस लिया जा सकता था। यहीं पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) एक बड़ा मुद्दा बन जाता है।

भारत में भूमि जोत का औसत आकार 1.08 हैक्टेयर या 2.66 एकड़ है। इनमें से दो–तिहाई भूमि जोतों को सीमांत के रूप में वर्गीकृत किया गया है और इनका औसत आकार 0.39 हैक्टेयर या 0.9 एकड़ है। इससे एकल आधार पर कृषि एक अव्यवहार्य आध्थक गतिविधि बन जाती है, जिससे पूरी तरह से कृषि पर आधारित आजीविका पर गंभीर दबाव पड़ता है। नवंबर, 2022 की प्रैस विज्ञप्ति के अनुसार कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रमुख गति बनी हुई है और देश के सामाजिक–आर्थिक विकास के मूल में है। इसका सकल घरेलू उत्पाद में करीब 19 प्रतिशत योगदान है और लगभग दो–तिहाई आबादी कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। इसका मतलब है 93 करोड़ या 930 मिलियन लोग कृषि पर निर्भर हैं।

एक अच्छे वर्ष में 3 एकड़ भूखंड के स्वामित्व वाला किसान जो लगभग 20,000 प्रति माह कमाने में सक्षम होता है वह पूरे परिवार की अपनी जमीन को जोतने की श्रम लागत को कम करता है। यदि कोई व्यक्ति अनुबंधित कृषक है तो यही संख्या घटकर लगभग 9,500 रुपए प्रति माह हो जाती है। यह गणना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) पर भारत के ब्रैड बास्केट यानी पंजाब और हरियाणा में प्रचलित चावल और गेहूं चक्र के आधार पर सटीक अनुमान के करीब है। यही कारण है कि एम.एस.पी. के सवाल पर कानूनी ढांचा पंजाब के किसानों के लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण मुद्दा है।

सरकारी आंकड़े एक बहुत ही गंभीर वास्तविकता को उजागर करते हैं। 'राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के अनुसार, प्रति कृषि परिवार की अनुमानित औसत मासिक आय 2012–13 में 6426 रुपए से बढ़कर 2018–19 में 10,218 रुपए हो गई है। यह मान भी लिया जाए कि आंकड़े सही हैं क्योंकि सरकारी डाटा संदिग्ध है, तो भी यह मामूली है। 2004 में तत्कालीन यू.पी.ए. सरकार ने एम.एस. स्वामीनाथन के नेतृत्व में राष्ट्रीय किसान आयोग (एन.सी.एफ.) की स्थापना की। एन.सी.एफ. को किसान संकट के कारणों, किसान आत्महत्याओं में वृद्धि और इन मुद्दों का समाधान करने के उद्देश्य से बनाया गया था।

एम.एस.पी. तय करने के संबंध में राज्यसभा में एक अतारांकित प्रश्न (तारांकित प्रश्न संख्या 110) के जवाब में, एन.डी.ए. सरकार ने कहा कि वह स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों का पालन करेगी और एम.एस.पी. को उत्पादन की कुल लागत का डेढ़ गुना तय करेगी। हालांकि, यह एक ऐसे फॉर्मूले पर निर्भर था जो स्वामीनाथन समिति के फॉर्मूले से बिल्कुल असंगत था। एन.डी.ए., भाजपा सरकार एम.एस.पी. की गणना के लिए 'ए2एफ.एल.' पर निर्भर थी। इसमें ए2 उत्पादन की औसत लागत थी और स्नरु पारिवारिक श्रम की अवांछित लागत थी। यह फॉर्मूला स्वामित्व वाले किराए या पूंजी के मूल्य पर विचार करने में विफल रहता है।

यदि स्वामीनाथन समिति की रिपोर्ट लागू की जाती है, तो इससे फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) को बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी और किसानों को बहुमूल्य सहायता मिलेगी। डाऊन टू अर्थ के अनुसार, मार्कीटिंग सीजन 2024–2025 के लिए रबी फसलों का एम.एस.पी. इस प्रकार होगा – गेहूं 2,275 रुपए की तुलना में 2,478 रुपए होगा। जो वर्तमान 1,850 रुपए की तुलना में 2,421 रुपए मसूर की दाल वर्तमान कीमत 6,425 की तुलना में 7,335 रुपए तथा अंत में चने वर्तमान 5,440 रुपए की तुलना में 6,820.5 रुपए।

वर्तमान सरकार की किसान विरोधी नीतियों ने किसानों के बीच आय असमानता बढ़ा दी है। सैंटर फॉर फाइनांशियल अकाऊंटैबिलिटी, नई दिल्ली के अनुसार एन.डी.ए., भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान प्रतिदिन औसतन 30 किसान आत्महत्या करते हैं। इसके अलावा, हम यह भी देखते हैं कि इसी अवधि में ऋणग्रस्त किसानों की कुल संख्या 902 लाख से बढ़कर 930 लाख हो गई है और बकाया ऋणों की औसत राशि 2013 की तुलना में लगभग 1.6 गुना बढ़ गई है। इससे भी अधिक परेशान करने वाली बात यह है कि सरकार किसानों के विरोध से कैसे निपट रही है।

सरकार इंटरनेट सेवाओं को अवरुद्ध करने और किसानों को अपनी बात कहने के वैध अधिकार को दबाने के लिए भारतीय टैलीग्राफ अधिनियम, 1885 के दूरसंचार सेवाओं के अस्थायी निलंबन (सार्वजनिक आपातकाल या सार्वजनिक सुरक्षा) नियम, 2017 जैसे औपनिवेशिक युग के कानूनों का उपयोग कर रही है। इसके अलावा आंसू गैस छोडने और भीड़ को तितर–बितर करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह इसके बिल्कुल विपरीत है कि अधिकारी फ्रांस, पोलैंड और यूरोपीय संघ के अन्य हिस्सों में किसानों के विरोध प्रदर्शन को कैसे संभाल रहे हैं, जहां उद्देश्य असहमति को दबाना नहीं बल्कि उनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास करना है।

चुनावी बिगुल बजने से पहले गठबंधन

—राजकुमार सिंह—

लोकसभा चुनाव का बिगुल शायद मार्च के मध्य में बजे, पर बिसात बिछनी शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा तो हमेशा चुनावी मोड में रहते हैं, पर नीतीश कुमार और जयंत चौधरी के अलगाव से बिखराव के कगार पर दिख रहे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की गाड़ी भी पटरी पर वापस लौट रही है। सपा और 'आप' के साथ कांग्रेस का सीट बंटवारा हो चुका है तो तृणमूल कांग्रेस से बातचीत निर्णायक दौर में बताई जा रही है। महाराष्ट्र में भी राहुल गांधी और शरद पवार में संवाद से सब कुछ तय हो जाने के दावे किए जा रहे हैं। दरअसल मोदी की भाजपा को अपनी सरकार की 'हैट्रिक' में जिन–जिन राज्यों में मुश्किलें पेश आ सकती थीं, वहां ऐसी पेशबंदी की गई कि चुनाव से पहले ही पासा पलटता दिखे। ऐसे राज्य मुख्यतरू 3 थे–महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश। पिछले लोकसभा चुनाव का समीकरण टूट जाने से 48 सीटों वाले महाराष्ट्र और 40 सीटों वाले बिहार में भाजपा या एन.डी.ए. की सीटें घट जाने की आशंका थी, तो उनकी भरपाई के लिए उत्तर प्रदेश में अपना समीकरण और मजबूत बनाना जरूरी था।

सेंधमारी से शुरूआत रू इसकी शुरूआत 'हैट्रिक' का नारा देने और 'इंडिया' बनने से भी बहुत पहले महाराष्ट्र में शिवसेना में विभाजन के जरिए उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिराने से हुई। सरकार गिरने के बाद उद्धव और अघाड़ी का फोकस असली–नकली शिवसेना पर रहा, पर कमजोर कड़ी की भाजपाई रणनीतिकारों की तलाश वहीं नहीं रुकी। अगला टार्गेट बनी मराठा दिग्गज शरद पवार की एन.सी.पी. भतीजे अजित पवार पर भरोसा कर एक बार अपने हाथ झुलसा चुकी भाजपा ने इस बार एन.सी.पी. में निर्णायक टूट के आप्रेशन को खुद अंजाम दिया।

चेहरा महत्वाकांक्षी अजित ही बने, जो शरद पवार द्वारा उत्तराधिकार के लिए बेटी सुप्रिया सुले को आगे करने से ठगा–सा महसूस कर रहे थे। यह ऑप्रेशन मुख्यमंत्री बनाए गए एकनाथ शिंदे के साथ बगावत करने वाले शिवसेना विधायकों पर लटकती अयोग्यता की तलवार के मद्देनजर भी जरूरी था। राजनीतिक दलों के असली–नकली होने का असली फैसला जनता की अदालत में होता है। शिवसेना और एन.सी.पी. के बारे में अंतिम निर्णय के लिए भी निगाहें लोकसभा चुनाव पर लगी रहेंगी, लेकिन विभाजन से उद्धव ठाकरे और शरद पवार की ताकत कम तो हुई है। विपक्ष की ताकत में कमी भाजपा को अनुमानित नुकसान की कितनी भरपाई कर पाएगी यह देखना महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि ठाकरे के साथ होने पर एन.डी.ए. ने पिछले चुनाव में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। 'इंडिया' गठबंधन में सीट बंटवारा सौहार्दपूर्वक हो जाता है, तो तय है कि प्रकाश आंबेडकर के वंचित अघाड़ी के साथ आ जाने से उसके हौसले बुलंद होंगे।

एक तीर से कई निशाने रू महाराष्ट्र के बाद बिहार बेहद संवेदनशील था। पिछली बार जब नीतीश साथ थे, तो एन.डी.ए. 40 में से 39 सीटें जीतने में सफल रहा था। उनके विपक्षी दलों के साथ चले जाने से समीकरण गड़बड़ाता दिख रहा था। 'इंडिया' के सूत्रधार बन नीतीश देश भर में घूम रहे थे, उससे भी कुछ असहज माहौल बन रहा था। इसलिए नीतीश को ही वापस अपने पाले में लाकर एक तीर से कई निशाने साधे गए। पहला बड़ा संदेश तो यही गया कि जो विपक्षी एकता के सूत्रधार थे, वही पाला बदल कर इधर आ गए।

दूसरा, नीतीश ने जिस तरह कांग्रेस पर प्रहार किए, उससे भी भाजपा का व्यापक लक्ष्य सधा। नीतीश के पाला बदल कर फिर भाजपा के साथ सरकार बना लेने के बाद 'इंडिया' में जैसा सन्नाटा पसरा, उससे भी पुष्टि हुई कि तीर एकदम निशाने पर लगा। मल्लिकार्जुन खरगे से लेकर जयराम रमेश तक ने नीतीश पर जो भी आरोप लगाए, वे 'इंडिया' के भविष्य पर लगते सवालिया निशान को मिटाते नहीं दिखे।

'इंडिया' उस झटके से उभर पाता, उससे पहले ही भाजपा ने उत्तर प्रदेश में एक और ऑप्रेशन को अंजाम दे दिया। बसपा सुप्रीमो मायावती के अलग चुनाव लडने के ऐलान को पहला ऑपरेशन मान लें तो रालोद प्रमुख जयंत चौधरी का 'इंडिया' से अलगाव दूसरा बड़ा ऑप्रेशन रहा। इसका संकेत पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को 'भारत रत्न' की घोषणा से मिला, जिसकी पुष्टि जयंत के इस ट्वीट से हो गई 'दिल जीत लिया'।

वापस पटरी पर 'इंडिया' – नीतीश के बाद जयंत चौधरी के झटके से लगा था कि 'इंडिया' इतिहास की बात है, क्योंकि 42 सीटों वाले पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस तो क्रमशः 13 और 7 सीटों वाले पंजाब और दिल्ली में 'आप' भी अलग चुनाव लडने की बात कह चुकी थी, लेकिन 21 फरवरी को सपा और कांग्रेस के बीच अचानक हुए सीट बंटबारे के बाद समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। उत्तर प्रदेश में तो कांग्रेस 17 सीटों पर मान ही गई, जिस सपा को विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में एक भी सीट देने लायक नहीं समझा था, उसे अब खजुराहो लोकसभा सीट दे दी गई।

अब 'आप' और कांग्रेस में दिल्ली ही नहीं, बल्कि गुजरात, गोवा, हरियाणा और चंडीगढ़ में भी सीट बंटवारा हो गया है। 'आप' ने दिल्ली में कांग्रेस को 3 सीटें दी हैं तो बदले में गुजरात में उसे 2 सीटें मिल गई हैं। इन दोनों राज्यों में अब भाजपा के लिए क्लीन स्वीप आसान नहीं होगा। गोवा की दोनों और चंडीगढ़ की एकमात्र सीट कांग्रेस को मिली हैं। पंजाब में दोनों दलों ने गठबंधन न करना बेहतर समझा है। अगर ममता बनर्जी असम और मेघालय में सीट मिलने पर पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को 2 सीटों से ज्यादा देने पर मान जाती हैं, तो वहां भी भाजपा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हालांकि वाम मोर्चा की भूमिका पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा।

विश्वसनीयता उन मुद्दों पर जनमत जगाने और जनादेश हासिल करने के लिए भी अहम् है, जिन पर 'इंडिया' चुनाव में मोदी सरकार को घेरना चाहेगा। सीट बंटवारा आसान नहीं होगा, लेकिन वैसी अराजकता वहां नजर नहीं आती, जैसी नवंबर में हुए 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद 'इंडिया' में नजर आई। लोकसभा चुनाव की घोषणा दूर नहीं है, पर 'इंडिया' पी.एम. फेस तो दूर, संयोजक और सांझा न्यूनतम कार्यक्रम तक तय नहीं कर पाया है।

फलस्तीनियों के पक्ष में सांस्कृतिक प्रतिरोध

—पुष्परंजन—

इस बार भारतीय–अमेरिकी फिल्म निर्माता सुनील संजगिरी ने बर्लिन में चल रहे 74वें फिल्म महोत्सव 'बर्लिनाले' का बहिष्कार कर दिया। 15 से 25 फरवरी, 2024 तक आयोजित 'बर्लिनाले' में संजगिरी गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित पुर्तगाली साम्राज्य के खिलाफ उपनिवेशवाद– विरोधी प्रतिरोध के बारे में अपनी फिल्म प्रदर्शित करने के लिए आये हुए थे, लेकिन बर्लिनाले का माहौल देखकर उन्हें लगा कि प्रीमियर ऐसे असहज वातावरण में न ही करायें तो बेहतर। संजगिरी की फिल्म पुर्तगाली उपनिवेशवाद के खिलाफ भारत और अफ्रीका में साझा संघर्ष की कहानियां उकेरती हैं, जो 1960 से सत्तर के दशक में दोनों महाद्वीपों के बीच विकसित हुई एकजुटता को उजागर करती है।

इंस्टाग्राम पर संजगिरी ने जर्मन अधिकारियों पर गाजा में युद्ध में फलस्तीनियों के समर्थन बोलने वाली आवाजों को चुप कराने का आरोप लगाया। इंस्टा पर सुनील संजगिरी का संदेश था, 'मैं सहभागी नहीं बनूंगा। यहां सभी के हाथ खून से सने हैं।' लेकिन एक्टर मनोज वाजपेयी, 'सबसे भले वो मूढ़ जिन्हें न व्यापे जगत गति' की मुद्रा में अपनी फिल्म 'द फेबल' की स्क्रीनिंग में व्यस्त दिखे। बर्लिनाले फिल्म फेस्टिवल मैंने लगातार पांच साल कवर किये। दो कैटेगरी के फिल्मकार व कलाकार यहां जुटते हैं, एक जिन्हें ग्लैमर वर्ल्ड और बॉक्स आफिस में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होती है, और दूसरे वो लोग जो दुनिया में दमन–उत्पीड़न व भेदभाव से सरोकार रखते हुए प्रतिरोध जताते हैं।

बर्लिन बहिष्कार की घोषणा करते हुए संजगिरी ने 'स्ट्राइक जर्मनी' अभियान को समर्थन व्यक्त किया, जो जनवरी में गुमनाम कलाकारों द्वारा शुरू की गई एक पहल थी, जिसमें फिल्म निर्माताओं, संगीतकारों, लेखकों और कलाकारों से जर्मनी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों से दूर रहने का आह्वान किया गया था। आयोजकों ने लिखा, 'यह जर्मन सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा मैककार्थीवादी नीतियों के उपयोग को अस्वीकार करने का आह्वान है जो विचारों की स्वतंत्रता, विशेष रूप से फलस्तीन के साथ एकजुटता की अभिव्यक्ति को दबाते हैं।'

बर्लिनाले में भी लगभग 1,600 कलाकारों ने 'स्ट्राइक' के समर्थन में साइन अप किया है, जिसमें फ्रांसीसी नोबेल पुरस्कार विजेता एनी एर्नाक्स भी शामिल हैं। पिछले महीने, बर्लिन के सीटीएम संगीत समारोह ने 'स्ट्राइक जर्मनी' के साथ एकजुटता दिखाते हुए कई कलाकारों की वापसी की घोषणा की। आलोचकों का कहना है कि सरकार ने इस्राइल की किसी भी आलोचना को रोकने के लिए अपनी वित्तीय शक्ति का इस्तेमाल किया है। लेकिन जर्मन सरकार ने इन आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर चुकी है। जर्मन संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'कला की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी जर्मनी में लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों में से एक है जो निश्चित रूप से संघीय सरकार द्वारा संरक्षित है।'

गत 7 अक्तूबर, 2023 को हमास अतिवादियों के हमले के बाद से यूरोपभर में यहूदी समर्थक बनाम यहूदी विरोधी विवाद भड़क उठे हैं। यूरोपीय ब्रॉडकास्टिंग यूनियन ने इस्राइल को यूरोविजन सांग प्रतियोगिता से बाहर करने की मांग का विरोध किया है। अक्तूबर, 2023 में एक फलस्तीनी लेखक का पुरस्कार स्थगित होने के बाद सैकड़ों अंतर्राष्ट्रीय लेखकों ने फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेले की निंदा की। नवंबर में, यूरोप की सबसे महत्वपूर्ण कला प्रदर्शनियों में से एक, 'डॉक्यूमेंटा' की पूरी चयन समिति ने इस्राइल–हमास संघर्ष पर विवादों के बाद इस्तीफा दे दिया।

यह दीगर और दिलचस्प है कि सुनील संजगिरी के बहिष्कार से ज्यादातर भारतीय फिल्मकारों ने दूरी बनाये रखी है। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास भी इस विवाद में पड़ना नहीं चाहता। जर्मनी में भारत के राजदूत हरीश पर्वथानेनी ने '2024–बर्लिनाले में इंडिया पवेलियन' का उद्घाटन किया। उनके साथ मनोज बाजपेयी, यूरोपीय फिल्म मार्केट के निदेशक डेनिस रुह और टैगोर सेंटर की निदेशक तृषा सकलेचा भी मौजूद थीं। मनोज बाजपेयी ने एक्स पर इवेंट की कुछ तस्वीरें साझा कीं और लिखा, 'सांस्कृतिक आदान–प्रदान और सिनेमाई सहयोग को बढ़ावा देने वाले जर्मनी में भारत के राजदूत हरीश पर्वथानेनी के साथ बर्लिन में इंडिया पवेलियन में उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'

गाजा हमले के हवाले से फरवरी के शुरू में इतालवी शहर नेपल्स में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जब सरकारी प्रसारक 'आरएआई' ने लोकप्रिय सैनरेमो संगीत समारोह की समापन के दौरान रैपर घाली द्वारा 'नरसंहार को रोकने' की अपील से खुद को दूर कर लिया। ब्रिटेन में, कलाकारों का एक नेटवर्क उन घटनाओं का दस्तावेज तैयार कर रहा है, जो कलाकारों के फलस्तीन समर्थक विचारों के कारण बहिष्कृत कर दी गई थीं। ब्रिस्टल में अर्नोल्फिनी आर्ट गैलरी ने भी दो फलस्तीनी फिल्म कार्यक्रमों को रद्द करने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त की, कि यह गलत हो रहा है। नवंबर, 2023 में फ्रांसीसी कलाकारों के एक समूह ने एक 'मूक मार्च' का आयोजन किया, जहां उन्होंने बिना किसी नारे के एक सफेद बैनर लगा रखा था। पिछले महीने, बर्लिन के सीटीएम संगीत समारोह ने 'स्ट्राइक' जर्मनी के साथ एकजुटता दिखाते हुए कई कलाकारों को वापस बुला लेने की घोषणा की।

शाई हॉफमैन इस्राइली–जर्मन यहूदी है, और योआन्ना हसन जर्मन–फलस्तीनी। 7 अक्तूबर, 2023 को इस्राइल में हमास द्वारा और उसके प्रकारांतर गाजा में इस्राइली हमले के बाद, हॉफमैन ने 'टिनी स्पेस प्रोजेक्ट' लॉन्च किया। एक छोटे से चलते–फिरते वाहन में उसका ऑफिस बनाया, जो लगभग तीन–चार लोगों के लिए उपयुक्त था। उस वाहन को बर्लिन के आसपास पॉप–अप स्थानों पर ले जाया गया, जहां मिडिल ईस्ट पर चर्चा की मेजबानी की गई। ये लोग बर्लिनाले इवेंट में भी अपने केबिन के साथ उपस्थित हैं, और फिल्मकारों से गाजा युद्ध जैसे विषय पर बहस की अपील करते दिखते हैं।

यूरोप के तीन प्रमुख फिल्म महोत्सवों में सबसे युवा, 'बर्लिनाले' की स्थापना 1932 में वेनिस फिल्म महोत्सव और 1946 में कॉन्स फिल्म महोत्सव के बाद 1951 में की गई थी। शुरुआत 6 जून, 1951 को जोन फोंटेन और गैरी ग्रांट अभिनीत अल्फ्रेड हिचकॉक की रेबेका से हुई थी। पश्चिम बर्लिन के टाइटेनिया–पालास्त सिनेमा में पहला फिल्मोत्सव हुआ था। नाम था बर्लिनाले। कम ही लोग जानते हैं कि जर्मन फिल्म महोत्सव 'बर्लिनाले' अमेरिकी प्रयासों से शुरू हुआ था। ऑस्कर मार्टे (1920–1995) बर्लिन में अमेरिकी सेना में एक 'फिल्म अधिकारी' थे। उनके सुझाव पर ही बर्लिन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव की स्थापना के लिए 9 अक्तूबर, 1950 को एक समिति की बैठक हुई। मार्टे 1951 में बर्लिनाले के प्रसिद्ध गोल्डन बियर पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ताओं में से एक थे। सेना छोड़ने के बाद मार्टे जर्मनी में रहकर फिल्म निर्माण करने लगे। उन्होंने 1955 में जर्मन अभिनेत्री रेनेट बार्केन से शादी की। बहरहाल, बर्लिनाले कभी अमेरिकी प्रभाव से मुक्त नहीं हुआ। इसलिए इस समय जो कुछ चल रहा है, उसने बर्लिनाले की साख पर एक बार फिर से सवाल खड़ा किया है।—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लघुकथा— 'मिठाई'

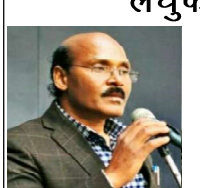

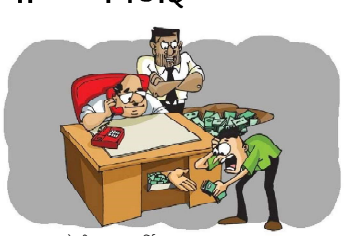

—डॉ. राजेन्द्र सिंह 'राही'

सुरेश को बैंक का चक्कर लगाना अब खलने लगा था। उसके मन में कभी–कभी यह विचार भी आने लगा कि मैनेजर साहब से अपने कागजात वापस ले ले और किसी दूसरे बैंक की तरफ मुँह करे, शायद वहाँ काम हो जाए।

यद्यपि इसके पहले उसने एक बैंक में हाथ–पांव चलाया था किन्तु वहाँ बात इतनी आगे नहीं बढ़ पाई थी, जितना यहाँ। इसलिए उसके मन में कहीं न कहीं यह उम्मीद भी बनी हुई थी कि उसका काम जरूर हो जाएगा और यही उम्मीद उसे बार–बार बैंक जाने के लिए मजबूर कर रही थी। आज भी वह हमेशा की तरह बैंक खुलते ही वहाँ पहुँच गया और अन्दर जाकर मैनेजर साहब के पारदर्शी कैविन के बाहर रखी एक कुर्सी पर बैठकर कैविन की तरफ टकटकी लगाये इस उम्मीद में निहारे जा रहा था कि मैनेजर साहब की नजर पड़ते ही वे उसे अवश्य बुला लेंगे और कहेंगे कि आपका काम हो गया है किन्तु ऐसा नहीं हुआ। समय बीतता रहा और दोपहर होने को आ गया, न तो मैनेजर साहब ने सुरेश की तरफ ध्यान दिया और न ही सुरेश खुद जाकर मैनेजर साहब से मिल पाया। यद्यपि इस बीच वह अपनी कुर्सी से तीन–चार बार उठा किन्तु कैविन में लोगों की उपस्थिति के कारण अन्दर नहीं जा सका और उसी कुर्सी पर बैठे–बैठे मैनेजर साहब के खाली होने की प्रतीक्षा करने लगा। वह नहीं चाहता था कि जब वह मैनेजर साहब से बात करे, तो वहाँ कोई और हो। समय बीतने के साथ सुरेश का धैर्य धीरे–धीरे जवाब देने लगा उसे लगा कि अब और प्रतीक्षा करना ठीक नहीं है। वह हिम्मत करके कुर्सी से उठा और कैविन का दरवाजा खोलकर अन्दर चला गया। मैनेजर साहब कुछ अन्य लोगों से बातें कर रहे थे और बीच–बीच में उनका काम होने का आश्वासन भी दे रहे थे।

यह सुनते ही सुरेश का चेहरा उतर गया, उसने दीन भाव प्रदर्शित करने हुए कहा, 'सर, मुझे फार्म जमा किए हुए काफी समय हो गया है और मैंने सभी आवश्यक कागजात भी.... ' मैनेजर साहब ने सुरेश की बात काटते हुए कहा कि, 'आपके डाक्यूमेंट का वेरीफिकेशन हो रहा है। रिपोर्ट आने दीजिए, आपका काम हो जाएगा। ' मैनेजर साहब के इस आश्वासन से सुरेश को कोई राहत नहीं मिली, क्योंकि यही आश्वासन उसे पहले भी कई मिल चुका था। उसने मैनेजर साहब की तरफ कातर भरी निगाह से देखा और हाथ जोड़ते हुए कहा, 'सर, प्लीज! मेरा यह लोन जल्द पास कर दीजिए, मुझे इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान खोलनी है।' मैनेजर साहब ने सुरेश की तरफ देखे बिना ही अगले सप्ताह आने के लिए कहा और अन्य लोगों से बात करने लगे। सुरेश मैनेजर के कैविन से निकलकर बैंक के अंदर ही एक कुर्सी पर बैठ गया। उसके चेहरे पर चिंता की गहरी लकीरें साफ–साफ दिखाई पड़ने लगी। उसे लगने लगा जैसे उसका सपना अधूरा रह जाएगा। वह समझ नहीं पा रहा था कि मैनेजर साहब उसका लोन पास क्यों नहीं कर रहे हैं? जबकि उसने सभी आवश्यक कागज जमा कर दिया है। वह मैनेजर साहब के दिन–दिन बदलते व्यवहार से भी क्षुब्ध था। उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि यह वही मैनेजर हैं जिसने पहली बार वह मिला था। तब उन्होंने कितने अच्छी तरह से व्यवहार किया था, अब लगता है जैसे पहचानते ही नहीं। सुरेश मन में उत्पन्न इसी तरह के विचारों से जूझ रहा था कि तभी, बैंक के एक गार्ड ने उसे धीरे से हिलाते हुए कहा, 'आप बैंक में कई बार आ चुके हैं और मैं देख रहा हूँ कि आज बहुत परेशान भी दिखाई दे रहे हैं। क्या बात है?'

गार्ड के इन शब्दों में सुरेश को अपनेपन का अहसास हुआ। उसने सारी बात गार्ड को बता दी, यह भी बताया कि वह एक अति सामान्य घर का लड़का है। आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी न होने के कारण ऊँची पढाई कर पाना उसके लिए संभव नहीं था, इसलिए उसने इलेक्ट्रॉनिक ट्रेड से आई. टी. आई. कर लिया। उसका सपना है कि वह इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान खोलकर अपने घर की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करे। गार्ड लोन पास न होने का कारण जानता था, उसने सुरेश को धीरे से कहा, 'लोन दो दिन में पास हो जाएगा, यदि आप मैनेजर साहब को लोन पास कराई कुछ... दे दें।' सुरेश गार्ड की अँगुलियों के संकेत को देखकर चौंक गया। थोड़ा क्रोधित होकर बोला, ष्मेरा सब कागज सही है, तो मैं लोन पास कराने के लिए पैसे क्यों दूँ? और मैनेजर साहब ने तो इसके लिए कभी कहा नहीं।' सुरेश की बात सुनकर गार्ड पहले तो थोड़ा मुस्कराया, फिर गंभीर होकर कहा, ष्तो आप, इसी तरह से बैंक का चक्कर लगाते रह जायेंगे। आप साहब को नहीं जानते।ष् यह कहकर गार्ड अपने ड्यूटी स्थल पर जाकर बैठ गया और सुरेश भी कुछ बुदबुदाते हुए, मुँह लटकाये अपने घर वापस आ गया। घर आते ही उसके पिता ने पूछा, ' बेटा आज काम हुआ कि नहीं?' सुरेश कोई उत्तर दिये बिना सीधे अपने कमरे में चला गया, किन्तु उसके उदास चेहरे को पिता ने पढ़ लिया। सुरेश ने शाम का भोजन नहीं किया। माँ ने बहुत मनाया किन्तु भूख नहीं है, कहकर सोने का बहाना करने लगा। माँ भी अन्ततः अपने कमरे में चली गई। इधर सुरेश बिस्तर पर करवटें बदलता रहा। उसे मैनेजर साहब की वह बात बार–बार याद आ रही थी, जो उन्होंने पहली बार मिलने पर कहा था कि, 'आपका काम तो हो जाएगा किन्तु मिठाई पहले खिलानी पड़ेगी'।

वह इसके पीछे का रहस्य अब समझ गया था, उसे आज अपनी आर्थिक कमजोरी एवं बेरोजगारी पर तरस आ रहा था। वह अपने टूटते सपने को जोड़ते–जोड़ते कब सो गया? पता नहीं।

28 करोड़ की क्रिटिकल केयर यूनिट का पीएम ने किया शिलान्यास

संवाददाता–बलरामपुर। संयुक्त जिला चिकित्सालय परिसर में रविवार शाम 100 शैय्या वाले क्रिटिकल केयर यूनिट का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया। क्रिटिकल केयर यूनिट का शिलान्यास पीएम ने राजकोट गुजरात से करके लोगों को संबोधित किया। 28 करोड़ से अधिक की लागत से बनने वाले इस यूनिट से जिले की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी।

संयुक्त जिला चिकित्सालय परिसर में क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जिसका वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास प्रधानमंत्री मोदी ने किया। शाम सवा पांच बजे के करीब राजकोट गुजरात से जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने बटन दबाकर देश के विभिन्न राज्यों के एम्स सहित अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया वैसे ही यहां पर भी सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर के कैलाश नाथ शुक्ल, जिलाधिकारी अरविंद सिंह व जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि श्याम मनोहर तिवारी ने सीसीयू का शिलान्यास किया। सीएमओ मुकेश कुमार रस्तोगी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए यह जानकारी दी कि अस्पताल परिसर में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना के अन्तर्गत इस यूनिट का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके लिए 28.20 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है। प्रथम किस्त के रूप में 4.70 करोड़ रुपए कार्यदायी संस्था को अवमुक्त कर दिए गए हैं, जिससे कार्य शुरू हो गया है। सीएमओ ने बताया कि चार मंजिले की इस इमारत की कुल फ्लोर एरिया 6950 वर्ग मीटर तथा कुल कवर्ड एरिया 8500 वर्ग मीटर का है। भू-तल पर इमरजेंसी के दस बेड रहेंगे। तथा एमसीएच के छह बेड स्थापित किए जाएंगे। इसी तरह प्रथम तल पर 42 बेड का आइसोलेशन वार्ड व चार बेड का डायलेसिस वार्ड बनेगा। द्वितीय तल पर 20 बेड का आईसीयू तथा 20 बेड का एचडीयू वार्ड रहेगा। जबकि तृतीय तल पर दो नग ऑपरेशन थियटर बनाए जाएंगे। शिलान्यास के मौके पर सदर विधायक पल्टूराम ने कहा कि बलरामपुर आकांक्षी जनपद की श्रेणी में है। स्वास्थ्य एवं शिक्षा की मूल सुविधाओं से यह जनपद अभी तक वंचित था। विधायक ने कहा कि मोदी और योगी के कार्यकाल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने केजीएमयू के सेटेलाइट सेंटर व राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल ने कहा कि सरकार गांव गरीब के कल्याण के लिए प्रयत्नशील है। अगर किसी गरीब का आयुष्मान भारत का कार्ड नहीं है तो उसे विधायक निधि से भी इलाज के लिए धनराशि दी जा रही है। उन्होंने कई योजनाओं का बखान किया। इस मौके पर जिलाधिकारी अरविंद सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम मनोहर तिवारी, सीएमओ डा. मुकेश कुमार रस्तोगी, एसीएमओ डा. एसके श्रीवास्तव, बीपी सिंह, डा. अनिल चौधरी, सीएमएस डा. आरके वर्मा, सरदार प्रीतपाल सिंह, डा. सौरभ सिंह, डा. नितिन चौधरी, जीपी त्रिपाठी, अवनीश दीक्षित, सुरेन्द्र दुबे सहित भारी संख्या में चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मी आशा व अन्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन जिला स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी अरविंद मिश्र ने किया।

प्रधानमंत्री मोदी के वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम में जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने कहा कि बलरामपुर जनपद प्रगति के मार्ग पर तेजी से बढ़ चुका है। नित नई नीतियां बन रही हैं। जिले में विकास की गंगा बह चुकी है। विभिन्न लाभकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मिल रही है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का प्रशासन को पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही केजीएमयू के सेटेलाइट सेंटर का शुभारंभ हो जाएगा। इसके लिए मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर व कर्मियों के आवास के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है। उन्होंने मां पाटेश्वरी राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर जिलेवासियों को बधाई दी। कहा आने वाले दिनों में कई बड़े कार्य जिले में धरातल पर दिखाई देंगे। गुजरात के राजकोट से प्रधानमंत्री वर्चुअल सीसीयू का शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री का संबोधन सुनने के लिए स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, कर्मी, आशा, एएनएम सहित भारी संख्या में लोग देर शाम तक डटे रहे। जैसे ही गुजरात की मशहूर गायिका ने राम भजन का गायन शुरू किया, पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसके बाद पीएम मोदी ने गुजरात के द्वारिकाधीश मंदिर का जिक्र कर लोगों से भावनात्मक रूप से जुड़ने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आज उन्होंने भगवान कृष्ण के द्वारा बसाई गई द्वारिका नगरी का समुद्र की गहराई में जाकर दर्शन व पूजन किया। प्रधानमंत्री के ओजस्वी एवं धार्मिक भाषण ने शमां बांध दी। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान जय श्रीराम और मोदी–मोदी के नारे गूंजते रहे।

जयंती पर आयोजित किया गया भंडारा

संवाददाता–गोण्डा। संत शिरोमणि रविदास जयंती पर रविवार को रामपुर भगाही कबीर आश्रम के महंत भागवत महराज की अगुवाई में सतसंग एवं भंडारे का आयोजन किया गया। आरती भजन कीर्तन के साथ विभिन्न जनपदों से आये संतो का माल्यार्पण एवं टीका लगा कर स्वागत किया गया। पूर्व मंडल कोआर्डिनेटर देवीपाटन रमेश विमल ने संबोधन में कहा कि सामाजिक कुरीतियों को जड़ से खात्मा करने में देश एवं समाज के संतों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।संत शिरोमणि रविदास साहेब एवं संत कबीर साहेब ने ऊंचनीच, छुआछूत, गैर बराबरी, ढोंग, पाखंड, चमत्कार को सिरे से खारिज किया।

परिषदीय बच्चों ने बिखेरी सतरंगी छंटा, फाग व कजरी से मचाया धूम

संवाददाता–महराजगंज। अंग्रेजी माध्यम के प्राथमिक विद्यालय बागापार द्वितीय के वार्षिकोत्सव व मेधावी छात्र सम्मान समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रम में नन्हें–मुन्हें अपनी मोहक प्रस्तुति से सतरंगी छटां बिखेरा। फाग व कजरी के सुर–लय व ताल पर थिरके बच्चों ने धूम मचाया। अभिभावकों संग अतिथियों ने ताली बजाकर हौसला बढ़ाया। पुरस्कार देकर सम्मानित किया। बीएसए श्रवण कुमार गुप्त ने निपुण अभियान में जिले को प्रथम स्थान मिलने पर शिक्षकों व बच्चों को बधाई देते हुए कार्यक्रम में मेधावी छात्र–छात्राओं को मेडल व स्मृति चिन्ह देकर उनके अभिभावकों को सम्मानित किया। कहा कि बच्चों ने जिस सधे अंदाज में अपना हुनर दिखाया है, उसमें शिक्षकों व बच्चों के अलावा अभिभावकों का लगन झलक रहा है। इसके पूर्व मुख्य अतिथि बीएसए श्रवण कुमार गुप्त, विशिष्ट अतिथि जीएसवीएस इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य विजय बहादुर, सिसवा ब्लाक के प्रमुख प्रतिनिधि धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आगाज की। सूर्यमुखी व मराठी नृत्य के अलावा चंदा मामा, उड़ी जाए रे, चुनावी जागरूकता गीत, नामांकन जागरूकता गीत, राधाकृष्ण नृत्य, झांसी की रानी पर आधारित लघु नाटिका, वृद्धाश्रम और वृद्धजनों की समस्या पर आधारित नाटिका के साथ अन्य कई मनमोहक गीत संगीत पर मनोहारी कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बीएसए श्रवण कुमार गुप्ता ने कहा कि बच्चों को आगे बढ़ाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है और शिक्षक उसे बखूबी निभा रहे हैं तभी जनपद महाराजगंज पूरे प्रदेश में निपुण टेस्ट में दूसरे स्थान पर है। विशिष्ट अतिथि जीएसवीएस के प्रधानाचार्य विजय बहादुर सिंह ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में शिक्षा का बहुत महत्व है अगर एक शिक्षक ने अपने जैसा एक शिक्षक तैयार कर दिया तो उसका जीवन धन्य हो जाता है क्योंकि एक शिक्षक पूरे समाज का मुख्य सूत्रधार होता है। बीएसए ने सर्वश्रेष्ठ छात्र के रूप में सौरभ गुप्ता व रोशनी को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इन छात्रों के अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही नैट परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आसमा खातून,अनुप्रिया, प्रिया,शुभम वर्मा, श्रेया, काव्या, अनुराग वर्मा, आर्यन कुमार, निर्मय,अंश वर्मा, शिवम वर्मा, निकिता, सौरभ व रोशनी, अमृत तिवारी को सम्मानित किया गया। विद्याज्ञान परीक्षा वर्ष 2024 में सफल होने वाले विद्यालय के छात्र सौरभ गुप्ता, रोशनी ,नंदनी,अर्चिता वर्मा, दिव्यांशु गुप्ता को भी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम तैयार करने में विशेष भूमिका पर बीएसए ने सरिता यादव को स्मृति चिन्ह देकर मान बढ़ाया। कार्यक्रम को प्राथमिक शिक्षक संघ के सदर ब्लाक अध्यक्ष बैजनाथ सिंह, डायट प्रवक्ता अर्जुन शाही, विशिष्ट अतिथि धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने संबोधित किया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विवेक प्रताप सिंह ने सभी अतिथियों का आभार जताया। प्रधानाध्यापक अमरेन्द्र प्रताप ने विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट पेश किया। कार्यक्रम का संचालन पंकज मौर्य ने किया।

2547बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के मन की बात सुनी

संवाददाता–गोण्डा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 110वें मन की बात कार्यक्रम को जनपद के प्रत्येक बूथ पर सुना गया। कार्यक्रम में जनपद के सभी पदाधिकारी सहित जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। भाजपा जिला अध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने केशवपुर मंडल के जानकीनगर ग्राम सभा में बूथ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पीएम मोदी की मन की बात कार्यक्रम को सुना।भाजपा अवध के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजीव मिश्रा एवं करनैलगंज विधायक अजय कुमार सिंह ने कड़रू ग्राम सभा में ग्राम वासियों के साथ पीएम मोदी की मन की बात कार्यक्रम को सुना। पीएम नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 110वें एपिसोड के समापन के दौरान बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अगले तीन महीने तक मन की बात का प्रसारण नहीं किया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से रिकॉर्ड संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।पीएम मोदी ने मौजूदा समय में कंटेंट क्रिएशन में युवाओं की बढ़ती दिलचस्पी पर भी बात की। पीएम ने बिहार के भोजपुर में रहने वाले भीमसेन का भी जिक्र किया। कार्यक्रम के संयोजक जिला मंत्री विनय शर्मा ने बताया कि पीएम मोदी की मन की बात कार्यक्रम को 2547 बूथों पर सुनने का कार्य किया गया। इस दौरान जिला महामंत्री आशीष त्रिपाठी,राकेश तिवारी, जसवंत लाल सोनकर,जिला उपाध्यक्ष संदीप पांडे,नीरज मोर्य, राजेश राय चंदानी, दीपक अग्रवाल,अर्जुन प्रसाद तिवारी,अंजू सिंह खरवार, मनीष श्रीवास्तव, जिला मंत्री संदीप सिंह, अजय सिंह, पुनीत सिंह, सोनी सिंह, मधुबाला वर्मा, रंजीत श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र ओझा पहू रहे।

लोकसभा चुनाव में चार सौ सीटें जीतने का लिया संकल्प

संवाददाता–देवरिया। जिला शिक्षक प्रकोष्ठ की बैठक रविवार को भाजपा कार्यालय पर जिला संयोजक नरेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में हुई। इसमें लोकसभा चुनाव में भाजपा को चार सौ से अधिक सीट जिताने के लिए संकल्प लिया गया।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को चार सौ से अधिक सीटें जीतने के लिए समस्त शिक्षक संगठनों व शिक्षकों को आगे आने का आह्वान किया। इस दौरान समस्त शिक्षक प्रतिनिधियों लोकसभा चुनाव में भाजपा का सहयोग करने के आश्वासन के साथ ही मिशन पर जुटने का संकल्प लिया। तिवारी ने कहा कि इसे लेकर आगामी 10 मार्च को बैठक होगी। इसमें अधिक से अधिक उपस्थिति का आह्वान किया। बैठक में गिरिजेश कुमार सिंह, राजेश कुमार मिश्र, विनोद कुमार मिश्र, ज्ञान प्रकाश मिश्र, शरद कुमार मिश्र, संदीप कुमार द्विवेदी, आनंद स्वरूप ओझा,संतोष सिंह, रामप्रकाश शर्मा, हेमा त्रिपाठी, संदल मणि, शारदा सिंह,ईश्वर चंद्र तिवारी, चंद्र कांत मणि त्रिपाठी, अनिल कुमार भारती आदि उपस्थित रहे।

136 जोड़ों ने थामा एक दूजे का हाथ

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के चार अलग अलग स्थानों पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 136 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया। इसमें 113 हिन्दू जोड़े जबकि 23 मुस्लिम जोड़े शामिल रहे। मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह के नेतृत्व में चार स्थानों पर भव्य कार्यक्रम आयोजित कर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। विकास खण्ड हरिहरपुररानी व विकास खण्ड सिरसिया में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक सामूहिक विवाह कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला पंचायत प्रतिनिधि कमलेश मिश्रा, विकास खण्ड इकौना व विकास खण्ड गिलौला के लिए सीताद्वार मन्दिर में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विधायक राम फेरन पाण्डेय ने वर–वधुओं को आशीर्वाद दिया। इसी तरह विकास खण्ड हरिहरपुरानी में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला पंचायत प्रतिनिधि के साथ ब्लाक प्रमुख सुभाष सत्या, रणवीर सिंह, खण्ड विकास अधिकारी जय प्रकाश आदि जनप्रतिनिधियों ने नवदम्पतियों को आशीर्वाद दिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी डा. अमरनाथ यति ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान अनुसूचित जाति के 40, अनुसूचित जनजाति के नौ, पिछड़ा वर्ग के 43, सामान्य वर्ग के 21 व अल्पसंख्यक वर्ग के 23 जोड़े समेत कुल 136 जोड़ों की शादी योजना के तहत कराई गई। उन्होंने बताया कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान मौजूद जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व गणमान्य लोगों ने नव विवाहित जोड़ों को सुखमय दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद देते हुए विदाई दी। सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान नव दम्पतियों को शासन की ओर से निर्धारित उपहार भी भेंट किये गए।

कर्मियों ने सीखे औद्योगिक आपदा से बचने के गुर

संवाददाता–बलरामपुर। इन्दू व बलरामपुर चीनी मिल के संयुक्त तत्वावधान में परिचर्चा का आयोजन रविवार को किया गया, जिसमें मुख्य रूप से आपदा प्रबंधन से सम्बन्धित विषयों की जानकारी मिल के सुरक्षा व अन्य कर्मियों को दी गई। कार्यक्रम में इन्दू डायरेक्टर कीर्ति विक्रम सिंह ने इन्दू में चल रहे कोर्सेस की जानकारी दी। जबकि मुख्य वक्ता पूर्व आपदा प्रबंधन सलाहकार सचिन मदान ने औद्योगिक आपदा के सम्बन्ध में प्रकाश डाला।

इन्दिरा गांधी मुक्त विश्व विद्यालय अपने अध्ययन केन्द्र एमएलके पीजी कॉलेज के माध्यम से कई कोर्सेस का संचालन कर रहा है। इन्दू डायरेक्टर कीर्ति विक्रम सिंह ने बताया कि चीनी मिल तथा अन्य औद्योगिक संस्थानों में काम करने वाले कर्मियों को आपदा प्रबंधन के प्रशिक्षण की महती आवश्यकता होती है। ऐसे में इन्दू द्वारा संचालित कोर्सेस उनके लिए वरदान साबित हो सकते हैं। इन्दू में किसी भी संस्थान में कार्यरत लोग अपनी शिक्षा पूरी कर सकते हैं। आपदा प्रबंधन का कोर्स भी उनमें से एक है। पूर्व जिला आपदा प्रबंधन सलाहकार सचिन मदान ने कहा कि औद्योगिक आपदा मानव जनित आपदा का रूप है। इस आपदा के न्यूनीकरण के लिए पहले से प्लान बनाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भारत में घटी भोपाल गैस त्रासदी सबसे बड़ी औद्योगिक आपदा है। जिसमें मेथिल आइसो साइनाइट गैस का रिसाव हुआ था। जिससे हजारों लोग मारे गए थे। फैक्ट्री में प्रयोग होने वाले रसायन व उसके नुकसान के सम्बन्ध में कर्मियों तथा आस पास रहने वाले लोगों को कोई जानकारी नहीं थी। मुंह पर गीला कपड़ा रखकर लोग अपनी जान बचा सकते थे। इसी प्रकार की जान बचाने वाली जानकारियां प्रसारित करना आपदा प्रबंधन प्लान का हिस्सा होता है। उन्होंने आपदा से पूर्व प्रशिक्षण व तैयारियों को परखने पर जोर दिया। प्रशिक्षण के माध्यम से आपदा जोखिम को कम किया जा सकता है। उन्होंने आद्योगिक आपदा के समय क्या करना चाहिए इसके बारे में भी कर्मियों को जानकारी दी। इन्दू अध्ययन केन्द्र के कोआर्डिनेटर डा. आलोक शुक्ला ने इन्दू से छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इंटरमीडिएट के बाद एससीएसटी छात्रों को इन्दू मुफ्त शिक्षा देता है। उनसे सिर्फ रजिस्ट्रेशन फीस ली जाती है। बलरामपुर चीनी मिल के जीएम कार्मिक राजीव अग्रवाल ने इन्दू के अधिकारियों व मुख्य वक्ता को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि मिल आपदा प्रबंधन से सम्बन्धित सभी उपायों को लागू करती है तथा समय–समय पर कर्मियों को इसके लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

स्वास्थ्य जागरूकता के लिए निकाली गई साइकिल यात्रा

संवाददाता–श्रावस्ती। लोगों को स्वस्थ रहने का संदेश देने के लिए अनेक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में एसएसबी की ओर से लोगों को जागरूक करने के लिए साइकिल यात्रा निकाली गई। यात्रा के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

62वीं वाहिनी एसएसबी कमांडेन्ट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी के नेतृत्व में फिट इंडिया का सन्देश देने के लिए रविवार को वाहिनी मुख्यालय भिनगा से सीमा चौकी सोनपथरी तक साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में कमांडेन्ट के साथ उपकमांडेन्ट निरुपेश कुमार, उपकमांडेन्ट डा अजीत, उपकमांडेन्ट सोनू कुमार समेत अन्य एसएसबी जवान शामिल हुए। वाहिनी भिनगा से निकल कर भिनगा बाजार से जंगल होते हुए यात्रा सिरसिया पहुंची। इसके बाद यात्रा सिरसिया से होते हुए हुए सोनपथरी कैम्प पहुंच कर समाप्त हुई। इस दौरान कुल 52 किलोमीटर यात्रा करके सीमावर्ती ग्रामीणों को फिट इंडिया का सन्देश दिया गया। साथ ही लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। कमांडेन्ट ने बताया कि साइकिल यात्रा का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। साइकिल चलाने से व्यायाम हो जाता है और शरीर स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम करना जरूरी है।

भाजपा पिछड़ो और वंचितों के उत्थान के लिए संघर्षरत- स्वतंत्रदेव

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से रविवार को जूनियर हाईस्कूल भिनगा में पिछड़ा युवा संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह मौजूद रहे। उन्होंने सम्मेलन में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए मोदी और योगी सरकार की उपलब्धियों और कार्यों को बताया।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत राष्ट्र निर्माण, विकसित भारत और देश की सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने में सबसे आगे खड़ा है। यह ताकत आम लोगों के सहयोग से ही संभव हो सका है। जब युवा संकल्प लेता है तो देश संकल्प लेता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव पिछड़े और वंचितो के उत्थान के लिए कार्य किया ताकि कोई भी वंचित न रहे। इसलिए एक बार फिर नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक परिवार के बेटे की तरह सबको आवास, गैस, शौचालय, बिजली, अच्छी सड़क और रोजगार मुहैया कराया ही है। इसके साथ ही कोरोना काल में सबके जीवन की रक्षा की जिम्मेदारी लेते हुए सबके लिए मुफ्त राशन की व्यवस्था की। सभी किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि और खाद खरीद बिना किसी भ्रष्टाचार के होती है। किसी भी योजना का लाभ सीधे लाभार्थी के खाते में जाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार पटेल के देश को एक सूत्र में बांधने के सपने को पूरा करते हुए कश्मीर से धारा 370 को खत्म करके श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा लहरा कर श्रीनगर से लंदन तक भारत माता की जय का उदघोष किया। उन्होंने कहा कि मोदी ने ओबीसी समाज की आर्थिक सुरक्षा, केंद्रीय मंत्रिमंडल में सबसे ज्यादा ओबीसी मंत्री, सबसे ज्यादा ओबीसी सांसद, सबसे ज्यादा ओबीसी विधायक के साथ पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन और पिछड़े वर्ग के छात्रों के छात्रवृत्ति मुहैया कराकर ओबीसी समाज को सम्मान दिया है। पिछड़ा युवा संवाद सम्मेलन में जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी, लोकसभा संयोजक शंकर दयाल पाण्डेय, जिलाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा जगराम मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा, विधायक रामफेरन पाण्डेय, एमएलसी पदमसेन चौधरी, जिला महामंत्री दिवाकर शुक्ला, पुरुषोत्तम कौशल, अमित सिंह, जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, अरुण पाण्डेय, नेकराम पाण्डेय सहित अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

शाखा में सहभागिता करके ही आरएसएस को समझ सकते हैं -अजय

संवाददाता–बहराइच। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नगर सहित जनपद के विभिन्न विकास खंडों में शाखा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया। शाखा संगम कार्यक्रम में शहर की विभिन्न बस्तियों व ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाली सभी शाखाएं एक स्थान पर लगाई गई। शहर में किसान पीजी कॉलेज में आयोजित शाखा संगम कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए जिला प्रचारक अजय ने कहा कि संघ की शाखा के माध्यम से व्यक्तित्व का निर्माण होता है। संघ की शाखा से निकले स्वयं सेवक समाज के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र भावना के साथ भारत माता को परम वैभव के शिखर पर पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संकट के समय विपरीत परिस्थितियों में संघ के स्वयंसेवक अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर समाज एवं राष्ट्र रक्षा का कार्य करते हैं। यह सीख स्वयं सेवकों के अंदर नियमित लगने वाली संघ की शाखा से ही उत्पन्न होती है। विशेश्वरगंज ब्लाक के गंगवल बाजार मे शाखा संगम कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह विभाग संघचालक कृष्णानंद, कैसरगंज में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला संघ चालक वासुदेव के उद्बोधन को स्वयंसेवकों ने सुना। हुजूरपुर स्थित रामलीला मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सह संघचालक डॉ. मनोज, तेजवापुर के बेड़नापुर में जिला कार्यवाह भूपेंद्र, महसी खंड के वैकुंठा में विभाग बौद्धिक प्रमुख अशोक, चितौरा में कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला शारीरिक एवं प्रशिक्षण प्रमुख शिवम,फखरपुर स्थित रामलीला मैदान में आयोजित शाखा संगम में सह जिला कार्यवाह अंकुश ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। शाखा संगम कार्यक्रम में नगर संघचालक डॉ. गोविंद शेखर, सह नगर संघ चालक कमल शेखर, नगर के शाखा संगम कार्यक्रम का संचालन नगर कार्यवाह शिवम ने किया। जिले के सभी खण्डों के खंड कार्यवाह धर्मेंद्र, अशोक, विवेक, सुधीर, मोहित वरुण, अभिषेक, टीकाराम, अमर, कृष्णकुमार, रामसक, सौरभ सहित सैकड़ों की संख्या में स्वयं सेवक उपस्थित रहे।

छत के पंखे से फांसी लगाकर युवक ने दी जान

संवाददाता–बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बिशनपुर बढ़ईपुरवा के मजरे कोल्हुई में शनिवार रात एक युवक ने छत के पंखे से फांसी लगाकर जान दे दी। आनन फानन में परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पिता की सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

फूलकरन विश्वकर्मा ने बताया कि उनका 33 वर्षीय पुत्र हनुमंत लाल विश्वकर्मा शनिवार रात अपने कमरे में छत के पंखे से फंदा बांधकर फांसी लगा ली। बताया कि हनुमंत करीब एक सप्ताह से बेचैन रहता था। रात में उसे नींद नहीं आती थी। अजीबो–गरीब हरकतें किया करता था। शनिवार रात हनुमंत व उसकी पत्नी सुशीला कमरे में सोने चले गए। काफी रात तक जागने के बाद सुशीला को नींद लग गई। इतने में पुत्र हनुमंत लाल ने फांसी लगा लिया। घटना से आहत पुत्र वधू सदमे में है। उसे बेहोशी की हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवपुरा में भर्ती कराया गया है। प्रभारी निरीक्षक हरैया गोविंद कुमार ने बताया कि पिता फूल करन विश्वकर्मा की सूचना पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

करतलिया बाबा का संतत्व एक युग का स्मरण है -बाल योगी रामदास

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। करतलिया बाबा को याद करना संतत्व के एक युग का स्मरण है। वे आराध्य में लीनता की मिसाल थे। गुरुवार को सरयू के संत तुलसीदासघाट स्थित करतलिया बाबा के आश्रम में उनकी 38वीं पुण्यतिथि मनाई गई और इसी के साथ ही उनकी स्मृति फलक पर हुई जहां संत धर्माचार्यों ने आचार्य श्री के व्यक्तित्व पर वाक्यमयी पुष्पांजलि अर्पित की। रामनगरी के सिद्ध पीठों में शुमार श्री करतलियाबाबा आश्रम में मन्दिर के संस्थापक सिद्ध सन्त परमपूज्य श्री करतलिया बाबा जी महाराज की 38वीं पुण्यतिथि आज बड़े धूमधाम से समापन हुआ कार्यक्रम के समापन में मंदिर प्रांगण में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें रामनगरी समेत पूरे भारत से आये संत धर्माचार्य सहित परिकरों ने आचार्य श्री श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। मंदिर में वृहद भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें आये हुए संतो महंतो का मंदिर के महंत बालयोगी रामदास जी ने परम्परागत तरीके से स्वागत किया। यह सारा कार्यक्रम मंदिर के श्री महंत योगीराज विजयराम दास जी महराज के दिशानिर्देशन संपन्न हुआ।

करतलिया आश्रम के वर्तमान महंत बालयोगी रामदास महाराज के अनुसार बाबा भले ही स्थूलतरू हमारे बीच न हों पर उनकी साधना–सिद्धि की तरंगें अभी भी आश्रम में व्याप्त हैं और एक बड़े आध्यात्मिक परिकर को बराबर प्रेरित करती हैं।बाबा की पुण्यतिथि बालयोगी रामदास के संयोजन में मनाया गया जिसमें अखंड पाठ का समापन हुआ।इसी कड़ी में देर शाम दिव्य मां सरयू आरती सेवा संस्थान के तत्वावधान में मां सरयू की भव्य फूल बगले की झांकी और 1 हजार बत्ती की महाआरती का आयोजन किया गया इसके बाद पुण्यतिथि महोत्सव का समापन किया गया। इस मौके पर जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, महंत गिरीश दास, महंत राम कुमार दास महंत राजू दास हनुमानगढ़ी के पुजारी पार्षद रमेश दास महंत छविराम दास महंत कन्हैया दास, महंत विनोद दास, आनंद दास कवि राज पूर्व मंत्री तेजनारायण पाण्डेय पवन चौधरी बलराम यादव श्री चंद्रयादव शहर के मशहूर डेंटल सर्जन डा अनुराग आनंद, महंत सच्चिदानंद दास, महाराज केदार यादव वाराणसी राधेश्याम यादव वाराणसी राजेंद्र यादव वाराणसी सहित बड़ी संख्या में संत साधक मौजूद रहे।

'यह तो सच है कि भगवान हैं' की धुन पर झूमे अभिभावक

संवाददाता–बलरामपुर। माउंट लिट्रा स्कूल किडजी का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक परिधान पहन कर मनमोहक प्रस्तुति कर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शित किया। समारोह के मुख्य अतिथि सदर विधायक पल्टूराम एवं विशिष्ट अतिथि श्रीराम जन्मभूमि न्यास से जुड़े राजेंद्र सिंह, औषधि निरीक्षक आलोक त्रिवेदी, खाद्य सुरक्षा निदेशक विनोद पांडेय व चीनी मिल प्रबंधक राजीव अग्रवाल रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यालय के नन्हे मुन्नों की प्रस्तुति निश्चित तौर पर आने वाले समय में उत्कृष्ट प्रतिभा को प्रदर्शित करेगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय के संस्कारवान छात्रों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ते रहने की शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ बच्चों में सांस्कृतिक गतिविधि का होना जरूरी है, जो विद्यालय निरंतर कर रहा है। विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष रघुनाथ अग्रवाल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर राजा अग्रवाल ने संयुक्त रूप से अतिथियों को स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में बच्चों का शुभारंभ समूह नृत्य फादर्स डे, मदर्स डे, ग्रैंड पैरेंट्स डे, फैमिली डे व दिवाली होली पर विभिन्न समूह सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रिंसिपल शिवानी अग्रवाल ने बच्चों के शैक्षिक माहौल के साथ उनके शिक्षण कार्य पर विस्तार से उपस्थित अभिभावकों को अवगत कराया। बच्चों ने इतनी शक्ति हमें देना दाता, देश भक्ति, बॉर्डर गीत संदेशे आते हैं, यह देश है, यह तो सच है कि भगवान है, वीर जवानों का आदि देशभक्ति एवं मनमोहक प्रस्तुति कर अपनी नन्ही प्रतिभा को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न नाटक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व शत प्रतिशत शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए अभिभावकों को जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रिंसिपल शिवानी अग्रवाल ने आए हुए अतिथियों का आभार जताते हुए सदैव अपेक्षित सहयोग देते रहने की अपील की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में फैसल कृष्णा, उपासना, फिजा, आंचल, हबीब, अंकित, खुशी, आरती, महिमा सहित शिक्षक शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

दुर्गा सप्तशती एवं लक्ष गणपति महायज्ञ से गूंजायमान हो रहा है सरयू तट

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। महामण्डलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज के पावन सान्निध्य एवं श्रीजगद्गुरु रामानुजाचार्य डॉ० स्वामी राघवाचार्य जी महाराज के संयोजकत्व में अयोध्यापुरी के सर्वागीण विकास एवं विश्वकल्याणार्थ गोला घाट, सरयू तट पर आयोजित हो रहे विराट 100 कुण्डीय श्री लक्षचण्डी महायज्ञ, श्री लक्षगणपति महायज्ञ एवं श्रीराम यज्ञ के दौरान 1700 कर्मनिष्ठ ब्राह्मणों द्वारा यज्ञ स्थल पर निर्मित 40 पाठशालाओं में दुर्गा सप्तशती एवं गणपत्यर्थशीर्ष के पाठ से गूंजायमान हो रहा है सरयू तट।

सन्त सम्मेलन में विद्वत्जनों द्वारा समाज में वर्णाश्रम को लेकर जो भ्रान्तियाँ विद्यमान है, उनको दूर करने का प्रयास किया गया। स्वामी प्रखर महाराज ने इस विषय पर अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में लोग मनमाने ढंग से शास्त्र की व्याख्या करने लगे हैं एवं आज हमारे धर्म–शास्त्रों को समाज में गलत ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसके कारण समाज में विघटन हो रहा है। इसके लिए हमें धर्म–शास्त्रों को अध्ययन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह के आयोजन होते रहेंगे तो समाज निश्चित रूप से जागरूक होकर समाजिक कुरीतियों से विमुख होता जाएगा।

यज्ञ के संयोजक स्वामी डॉ राघवाचार्य महाराज ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारे धर्म–शास्त्रों में वर्णाश्रम की जो व्यवस्था दी गई है, यदि हम उसका अनुपालन करेंगे तो हमारा वर्तमान एवं भविष्य, दोनों ही सुरक्षित रहेगा। स्वामी जी ने कहा कि मनमाना आचरण तो पशु जानवर करते हैं, मानव के आचरण के लिए तो हमारे धर्म–शास्त्र हजारों वर्षों से समाज को प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं, आवश्यकता है तो उनको समझने की। हमारे धर्म–शास्त्रों के अनुसार चार वर्ण–ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र, समाज के आधारभूत स्तम्भ हैं तथा ऐसे ही चार आश्रम–ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ एवं सन्यास, हमें जीवन दर्शन का बोध कराते हैं। सम्मेलन में उपस्थित जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य महाराज, डॉ० सज्जन प्रसाद तिवारी , रामकृष्ण रामायणी अरविन्द पाण्डेय पद्मश्री उदयन ,इण्डोनेशिया एवं डॉ० सुभाष तिवारी ने भी सम्बोधित किया।

गीडा में लगेगी प्लास्टिक बोरी बनाने की फैक्टरी, 100 करोड़ का होगा निवेश

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के गीडा में भी अब प्लास्टिक की बोरी बनाने की फैक्टरी लगेगी। शहर के उद्यमी अमित बथवाल इसके लिए करीब 100 करोड़ निवेश करने की तैयारी में हैं। फैक्टरी लगाने के लिए उन्होंने गीडा प्रशासन से जमीन की मांग की है। उम्मीद है कि मार्च के पहले सप्ताह में जमीन का आवंटन भी हो जाएगा। प्लास्टिक की बोरियां, यूरिया और सीमेंट कारखाना की जरूरत को ध्यान में रखकर बनाई जाएंगी। इसके स्थापित होने से तीन सौ लोगों को रोजगार मिलेगा। खाद कारखाना और सीमेंट की लगने वाली फैक्टरियों के दृष्टिगत उद्यमी अमित बथवाल की पहले से ही गोरखनाथ इलाके में प्लास्टिक की बोरी बनाने की दो फैक्टरियां हैं। अभी दोनों फैक्टरियों से प्रतिदिन पांच लाख बोरियां तैयार की जाती हैं। इसकी सप्लाई खाद कारखाना में होती है। अमित बथवाल ने बताया कि अभी भी 50 किलोग्राम क्षमता वाली प्लास्टिक की बोरियों की मांग है। अभी इसकी आपूर्ति दिल्ली से होती है।

अरुण योगीराज ने साझा की रामलला की नई अनदेखी तस्वीर

संवाददाता–अयोध्या। रामलला की मूर्ति को बनाने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज ने भगवान राम की एक अनदेखी तस्वीर जारी की है, जिसे सोशल मीडिया पर खूब सराहा जा रहा है। यह तस्वीर तब की है, जब वे रामलला की मूर्ति को गढ़ रहे थे। योगीराज ने तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मूर्ति तराशते समय। उन्होंने आगे कहा कि सभी बारीकियों को ध्यान में मूर्ति तराशते हुए मैं आश्वस्त था कि अंतिम समय में बड़ा बदलाव आ जाएगा। साझा की गई फोटो में योगीराज भी नजर

आ रहे हैं, जिनके हाथ में कोई उपकरण है। फोटो में योगीराज ने रामलला की ठुड्डी पकड़ी हुई है।

योगीराज ने सोशल मीडिया पर फोटो साझा की तो लोगों ने पोस्ट को खूब सराहा। पोस्ट साझा करने के एक घंटे के अंदर ही 25 हजार लोगों ने फोटो लाइक कर दी। फोटो को खूब शेयर किया गया। लोगों ने खूब कमेंट भी किए। एक यूजर ने कमेंट में कहा कि बहुत बढ़िया काम है। आप पर बहुत गर्व है। दूसरे यूजर ने कहा कि यह बहुत सुंदर है। वहीं, तीसरे यूजर ने कहा कि बहुत शानदार काम। अरुण योगीराज मैसूर महल के प्रसिद्ध मूर्तिकारों के परिवार से हैं। वह अपने परिवार की पांचवी पीढ़ी के मूर्तिकार हैं। उनके पिता योगीराज शिल्पी भी एक बेहतरीन मूर्तिकार हैं और दादा बसवन्ना शिल्पी को मैसूर के राजा का संरक्षण हासिल था।

3 ग्रंथ लेकर रामकथा सुनाने अयोध्या पहुंचे मोरारी बापू, बोलें– राम भारत का प्राण और विश्व की आत्मा हैं

संवाददाता–अयोध्या। अंतर्राष्ट्रीय संत मोरारी बापू के द्वारा रामकथा की शुरूआत हो रही है। रामलला का मंदिर बनने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की तरफ से आयोजित रामकथा की शुरूआत में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय व कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद गिरी महाराज ने मोरारी बापू का स्वागत किया। बता दें, मोरारी बापू ने हनुमान जी को मंत्रों के साथ आमंत्रण देते हुए अपने जीवनकाल की 932वीं रामकथा शुरूआत की।

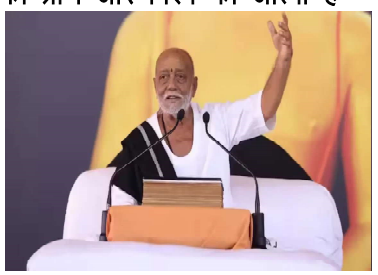

रामकथा सुनाते हुए मोरारी बापू ने कहा कि लोग कहते हैं कि राम भारत का प्राण है लेकिन मैं कहता हूं कि राम भारत के प्राण नहीं, प्राणों के भी प्राण हैं, जीव के भी जीव हैं, सुख के भी सुख हैं। राम भारत का प्राण और विश्व की आत्मा है। राम मंदिर सिर्फ भारत का ही नहीं, तीनों लोकों का मंदिर है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ मंदिर भव्य होते हैं, कुछ मंदिर दिव्य होते हैं लेकिन राम मंदिर सेव्य है। जब आप इस मंदिर को बाहर से देखेंगे तो यह भव्य दिखता है, अंदर जाओ तो दिव्य, और जैसे–जैसे ठाकुर जी के समीप जाओगे तो सेव्य है।

कथावाचन के दौरान मोरारी बापू ने कहा कि भगवान विष्णु के दशावतार में राम सातवें अवतार हैं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है मैं इस बार अयोध्या में सातवीं कथा करने आया हूं। मेरा परम सौभाग्य है कि राम को राम की कथा सुनाने आया हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भगवान खुद इस रामकथा में पधारेंगे। उन्होंने आगे कहा कि जिस व्यक्ति को रामायण और महाभारत नहीं पता, उसे हिन्दुस्तानी कहलाने का कोई अधिकार नहीं। यह ऐसे ग्रंथ हैं जो हर सनातनी के घर में मिलते हैं। बता दें, मोरारी बापू अपने साथ तीन पवित्र धार्मिक ग्रंथ लेकर अयोध्या धाम पहुंचे। तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने कहा कि यह तीनों पवित्र ग्रंथ रामलला के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा, जिसे मंदिर आने वाले भक्त इन पवित्र ग्रंथों का दर्शन कर सकेंगे।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में परीक्षा विभाग की तर्ज पर बनेगा प्रवेश विभाग, अभ्यर्थियों की सहूलियत के लिए तैयार हो रहा अलग पोर्टल

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को अब इससे जुड़ी जानकारी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें हर जानकारी आनलाइन और आफलाइन दोनों माध्यमों से आसानी से मिल जाएगी। अपनी ब्रांडिंग मजबूत करने के क्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन इसके लिए परीक्षा विभाग की तर्ज पर प्रवेश का अलग विभाग बनाने जा रहा है। आनलाइन जानकारी के लिए प्रवेश का अलग पोर्टल तैयार करवा रहा है।

विश्वविद्यालय प्रशासन कार्य परिषद की अगली बैठक में इस नयी व्यवस्था पर मुहर लगवाने की तैयारी में है। विश्वविद्यालय को हर वर्ष प्रवेश संपन्न कराने के लिए एक नया सेटअप बनाना पड़ता है। ऐसे में इसकी कोई स्थायी व्यवस्था नहीं बन पाती, जिससे डाटा संजोने से लेकर नए सत्र में उसके इस्तेमाल करने तक में दिक्कत आती है। इसे लेकर विश्वविद्यालय की व्यवस्था पर हमेशा सवाल तो उठता ही रहता है, प्रवेश को लेकर संपूर्ण जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को भटकना भी पड़ता है। इस वजह से कई बार मेधावी परेशान होकर प्रवेश के लिए आवेदन तक नहीं करते। यही दिक्कत प्रवेश के लिए अलग आनलाइन पोर्टल न होने से भी सामने आती है।

इन्हीं दिक्कतों को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय ने प्रवेश विभाग को स्थायी रूप देने का निर्णय लिया है। प्रवेश विभाग में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अफसरों के साथ वरिष्ठ शिक्षकों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। इसके लिए अलग से कर्मचारी भी तैनात किए जाएंगे, जो प्रवेश का डाटा तैयार करेंगे। प्रवेश के लिए होगा अलग पूछताछ विभागरू प्रवेश से जुड़ी जानकारी अभ्यर्थियों को आसानी से उपलब्ध कराने के लिए प्रवेश विभाग का अलग पूछताछ केंद्र बनाया जाएगा। इस केंद्र से अभ्यर्थियों को प्रवेश से लेकर प्रवेश परीक्षा तक की जानकारी प्राप्त हो सकेगी। विश्वविद्यालय जल्द इसके लिए काउंटर निर्धारित कर देगा।

बीते सत्र में प्रवेश प्रक्रिया में देरी के चलते प्रवेश का सिलसिला अगस्त के अंत तक चलता रहा था। उससे सबक लेते हुए इस बार विश्वविद्यालय प्रशासन ने 15 मार्च से ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय इस लक्ष्य के साथ कार्य करने की तैयारी में है कि जून के अंत तक हर हाल में प्रवेश कार्य पूरा कर लिया जाए, जिससे जुलाई के पहले सप्ताह से अध्ययन–अध्यापन का कार्य सुचारु रूप से चल सके।

दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि परीक्षा तभी होगी, जब प्रवेश होगा। ऐसे में परीक्षा विभाग की तरह ही प्रवेश विभाग की महती आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखकर ही एक स्थायी प्रवेश विभाग की स्थापना की योजना बनाई गई है। प्रवेश के लिए अलग पोर्टल पर भी काम चल रहा है। इस योजना को कार्य परिषद में ले जाने की तैयारी है। कार्य परिषद की स्वीकृति के बाद तत्काल विभाग की स्थापना कर दी जाएगी। नए सत्र में प्रवेश की प्रक्रिया नए विभाग से ही संपन्न की जाए, इसकी पूरी कोशिश है।

कार्यकर्ताओं के बल पर केंद्र में फिर बनने जा रही है सरकार –पाल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भाजपा कार्यकर्ताओं के बल पर केंद्र में तीसरी बार 400 के पार और एक बार फिर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है। कार्यकर्ताओं का सम्मान करना गर्व की बात है। ये बातें सांसद जगदम्बिका पाल ने रविवार को खेसरहा व सकारपार मंडल में आयोजित बूथ अध्यक्षों के सम्मान समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए सदैव कार्य करता है। नरेंद्र मोदी की सरकार को लाने में कार्यकर्ताओं ने तन मन धन सब एक कर दिया था तब कांग्रेस मुक्त भारत बन सका। इस अवसर पर राम कुमार कुंवर, दिलीप चतुर्वेदी, राजेंद्र पांडेय, विजयकांत चतुर्वेदी, अमरनाथ पांडेय आदि मौजूद रहे।

वनगमन का मंचन देख भर आईं दर्शकों की आंखें

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज क्षेत्र के भड़रिया गांव में चल रहे रामलीला में शनिवार की रात कलाकारों ने कैकेई हठ से लेकर राम वनगमन तक का मनोहारी मंचन किया। इसे देख दर्शकों की आंखें भर आईं। कलाकारों ने दिखाया कि श्रीराम के राज्याभिषेक को लेकर परिवारीजनों समेत पूरे अयोध्यावासी खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। इध र रानी कैकेई कोप भवन में चली जाती हैं। सूचना मिलने पर राजा दशरथ उनके पास पहुंचते हैं, जहां पर महाराज दशरथ से महारानी कैकेयी ने दो वरदान मांगें। इसमें राम को 14 वर्ष का वनवास व बेटे भरत को राज्य। इसके बाद राजा मूर्छित होकर गिर गए और होश आने पर महारानी कैकयी को बहुत समझाने का प्रयास किया लेकिन वह अपनी बात पर अड़ी रहीं। इसकी जानकारी जब राम को हुई तो वह वनवास जाने के लिए तैयार होने लगे। इस दौरान पत्नी सीता, छोटे भाई लक्ष्मण भी उनके साथ वन जाने के लिए तैयार होने लगे। श्रीराम ने उन्हें मना किया लेकिन उनके बार–बार आग्रह के बाद उन्हें भी वनवास साथ लेकर माता–पिता से विदा हुए। मंत्री सुमंत ने तीनों को रथ में बैठा कर सरयू तट के किनारे ले गए, जहां उनकी मित्रता निषादराज गुह से हुई। केवट से नाव श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। इस दौरान डॉराजेश गुप्त, विजय मिश्र, संतोष पासवान, सुनील गुप्त, अजय आदि मौजूद रहे।

ठेकेदार की लापरवाही से मार्ग की मरम्मत नहीं हुई, प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र के बुढहट गांव में जीवन मिशन योजना के तहत बने ओवरहेड टैंक से वाटर सप्लाई के लिए मार्ग खोदकर पाइप डाला गया। लेकिन ठेकेदारों की लापरवाही से मार्ग की अब तक मरम्मत नहीं कराई गई। खुदी पड़ी सड़क पर आए दिन गिरकर लोग चोटिल हो रहे हैं। रविवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर समस्या से निजात दिलाने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि ज्यादातर पाइप डालने का काम हो गया है। इसके बावजूद खुदाई किए गये रास्तों की मरम्मत नहीं कराई गई। कार्यदायी एजेंसियों को निर्माण के दौरान ध्वस्त होने वाले मार्गों को दुरुस्त कराना है, लेकिन इसमें खर्च होने वाले धन को हजम करने का प्रयास किया जा रहा है। यही वजह है कि क्षतिग्रस्त सड़कों पर मिट्टी डालकर औपचारिकता कर दी गई है। मार्ग के गड्ढे में आए दिन बच्चे, दिव्यांग, बुजुर्ग गिरकर घायल हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर मार्ग की मरम्मत कराने की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में पलटन प्रसाद, रविन्द्र, जोखन, मिसलावती, लालती, कांता देवी, पुष्पा, अजय कुमार कन्हैया, उर्मिला देवी, पुष्पा देवी, फूलचंद, ज्ञानदास सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

महिला की आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज नगर के एक वार्ड की महिला का आपत्तिजनक में फोटो उसी वार्ड के युवक ने सोशल वायरल कर दी।महिला की तहरीर पर पीपीगंज पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीपीगंज नगर पंचायत के वार्ड नम्बर एक की महिला का फोटो एडिटिंग कर एक युवक पीछे अपना फोटो लगाकर आपत्तिजनक स्थिति में दिखा कर सोशल मीडिया पर वायरल किया तथा एक नंबर से महिला को फोन भी किया और महिला को वह फोटो भेज कर आरोपी युवक ने आपत्तिजनक टिप्पणी भी की। महिला ने थाने पहुंच कर तहरीर दी जिसपर पीपीगंज पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर नाम के युवक परमेनदर पिता नाम अज्ञात पीपीगंज के विरुद्ध धारा सूचना प्रौद्योगिकी संसोधन अधिनियम 67, के तहत् मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

आईबी अधिकारी बता प्रयागराज में ठग लिए 15 लाख रुपये,मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के कोतवाली थाने में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का केस दर्ज किया गया है। ये मामला, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपये की जालसाजी किए जाने का है। आरोप है कि नौकरी न दिला पाने पर रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी गई। कोतवाली थाने में पुलिस ने केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, कोतवाली इलाके के बक्शीपुर, साहू टोला निवासी सुमित गुप्ता ने एसएसपी को प्रार्थना–पत्र देकर बताया कि कुछ महीने पहले लखनऊ में उनकी मुलाकात अमित प्रकाश पाठक उर्फ शंकर पाठक नाम के एक व्यक्ति से हुई थी, जो अपने आप को आईबी अधिकारी बताया। लखनऊ में अपनी तैनाती होने की बात करते हुए उसने पीड़ित को बताया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में नौकरी आई है। वह 15 लाख रुपये में नौकरी लगवा देगा। इसकी जानकारी सुमित ने अपने दोस्त निखिल सिंह को दी। निखिल सिंह ने अपने भाई का फार्म भरवा दिया। नौकरी दिलाने के लिए अमित प्रकाश पाठक से बात फाइनल करके सुमित ने उसे 15 लाख का भुगतान कर दिया। 30 हजार नकद भी दिया। कुल रुपये लेने के बाद आरोपी ने 77 हजार लौटा दिए।

उधर काफी दिनों तक नौकरी नहीं मिलने पर पीड़ित ने तथाकथित आईबी अधिकारी से बात की तो उसने टालमटोल शुरू कर दिया। रुपये वापस मांगने पर जानमाल की धमकी देने लगा। पीड़ित की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

गोलघर मल्टीलेवल पार्किंग संचालन से पहले जमा करने होंगे 33 करोड़ रुपये

संवाददाता–गोरखपुर। आत्मनिर्भर बनने की दिशा में नगर निगम ने एक और कदम बढ़ाया है। अब गोलघर में बनी मल्टीलेवल पार्किंग और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का संचालन किराए पर होगा। इसके लिए निगम ने फर्मों से आवेदन मांगे हैं। निर्माण विभाग की ओर से जारी ई–निविदा के मुताबिक 29 फरवरी तक आवेदन किया जा सकता है। एक मार्च को निविदा खुलेगी। उसके बाद चयनित फर्मों के बीच चार मार्च को खुली बोली लगाई जाएगी। बोली की शुरुआत न्यूनतम प्रीमियम दर 33.82 करोड़ रुपये एवं वार्षिक किराया 17.78 करोड़ से शुरू होगा। सर्वाधिक प्रीमियम और वार्षिक किराया देने वाले को सफल घोषित किया जाएगा। चयनित फर्म को मल्टी लेवल पार्किंग सह शापिंग कॉम्प्लेक्स में बिजली कनेक्शन खुद लेना होगा। इसके अलावा सीवर एवं जलकर का व्यवसायिक कनेक्शन लेने के साथ टैक्स भी नियमानुसार देना होगा।

चयनित फर्म मल्टी लेवल पार्किंग की छत का भी इस्तेमाल कर सकेगी, लेकिन कोई पक्का निर्माण नहीं कर सकेगी। स्वीकृत किराया डिजिटल माध्यम से प्रत्येक वित्तीय वर्ष में एक अप्रैल से 30 अप्रैल तक

शापिंग कॉम्प्लेक्स के प्रथम तल पर 14.81 वर्ग मीटर से 66.95 वर्ग मीटर तक की कुल 18 दुकानें हैं। दूसरे तल पर 10 दुकानें और तीसरे तल पर एक बड़ा हॉल है। पार्किंग में एक साथ 605 गाड़ियां पार्क हो सकती हैं। इनमें 305 चार पहिया और 300 दो पहिया वाहन शामिल हैं।

नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने कहा निगम को आत्मनिर्भर बनाने की मंशा से गोलघर की मल्टीलेवल पार्किंग सह शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को किराए पर देने का फैसला लिया गया है। कांप्लेक्स की ई–निविदा की प्रक्रिया मार्च के प्रथम सप्ताह में पूरी हो जाएगी। 15 साल के लिए निजी फर्म को संचालन एवं रखरखाव सौंपा जाएगा। इससे नगर निगम आय अर्जित करने के साथ शहरवासियों को सुविधाएं भी प्रदान करेगा।

मार्ग दुर्घटना में घायल किशोर की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता–गोरखपुर। 16 फरवरी को मार्ग दुर्घटना में घायल हरपुर निवासी (16) दिलशाद पुत्र कमरुद्दीन की गोरखपुर एक अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार रात को मौत हो गई, किशोर के निधन की खबर सुनते ही परिवार में मातम छा गया। बताते चले की हरपुर निवासी दिलशाद अपने मित्र के साथ बाइक पर बैठकर गोरखपुर जा रहा था, कालेसर के पास मार्ग दुर्घटना में वह बुरी तरह घायल हो गया। वहीं मित्र को हल्की चोट लगी। सूचना पर पहुंचे परिवारीजनों ने दिलशाद को गोरखपुर एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा था। शनिवार को उसकी मौत हो गयी। मृतक दो भाई था, वह छोटा था।

दौड़ने निकले युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के जगदीशपुर चौकी अंतर्गत फोरलेन पर दौड़ने निकला युवक रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल मिला। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। परिजनों ने युवक के साथ किसी अनहोनी की आशंका जाहिर की है।

क्षेत्र के बड़ी कैथवलिया निवासी विशाल निषाद (21) पुत्र उदयभान निषाद स्नातक प्रथम वर्ष का छात्र था। रोज की भांति रविवार की भोर में फोरलेन पर दौड़ने निकला था। कुछ देर बाद जिस सर्विस लेन पर दौड़ रहा था, उसी के किनारे मल्लपुर टाटा मोटर्स के पास गंभीर रूप से घायल मिला। परिजन और जगदीशपुर चौकी पुलिस उसे एम्बुलेंस से लेकर अस्पताल गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी है, जिसमें विशाल के साथ किसी अनहोनी की आशंका जाहिर की है।

जनरल डिब्बों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी, कम होगा किराया

संवाददाता–गोरखपुर। जनरल क्लास में छोटी दूरी की यात्रा करने वाले रेलयात्रियों के लिए अच्छी खबर है। जल्द ही अनारक्षित स्पेशल ट्रेनें पैसेंजर के रूप में बदल जाएंगी। कोविड पूर्व व्यवस्था बहाल होने से न्यूनतम किराया फिर 10 रुपये हो जाएगा। अभी सबसे कम कीमत का टिकट 30 रुपये में मिलता है। बोर्ड के निर्देश पर वेस्ट सेंट्रल रेलवे ने व्यवस्था लागू कर दी है, एनईआर ने भी पत्र जारी कर दिया है। हालांकि, अधिसूचना जारी न होने से पूर्वोत्तर रेलवे में टिकट खिड़की पर यह बदलाव अभी प्रभावी नहीं हुआ है। रेलवे के एप पर 10 रुपये में ही न्यूनतम टिकट उपलब्ध है। कोविड के दौरान सभी पैसेंजर ट्रेनों को अनारक्षित स्पेशल के रूप में बदल दिया गया था। सुविधा और स्टॉपेज में तो कोई बदलाव नहीं हुआ लेकिन किराया एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच के बराबर हो गया। न्यूनतम किराया 10 से बढ़कर 30 रुपये हो गया। कोविड काल खत्म हो जाने के बाद भी यह व्यवस्था लगातार चली आ रही थी। यात्रियों को सुविधाएं पैसेंजर ट्रेन वाली ही मिल रही थीं। इसी बीच अब रेलवे बोर्ड ने सभी अनारक्षित स्पेशल/डेमू/मेमू को पैसेंजर के रूप में चलाने और किराया पूर्व की तरह करने का निर्देश जारी किया है। इस क्रम में सभी क्षेत्रीय रेलवे ने तैयारी शुरू कर दी है। सबसे पहले डब्ल्यूसी रेलवे ने बदलाव प्रभावी किया है। रेलवे बोर्ड के निर्देश के क्रम में एनई रेलवे प्रशासन भी तैयारियों में जुट गया है। इस बावत 22 फरवरी को वाणिज्य विभाग द्वारा पत्र जारी कर दिया गया है। यूटीएस में बदलाव हो गया है और एप पर 10 रुपये में ही न्यूनतम टिकट मिल रहा है लेकिन अधिसूचना जारी न होने से टिकट विंडो पर व्यवस्था अभी प्रभावी नहीं हुई है। वहां अभी भी न्यूनतम किराया 30 रुपये ही है। संभावना जताई जा रही है कि मार्च के पहले सप्ताह में अधिसूचना जारी हो जाएगी और सभी अनारक्षित स्पेशल ट्रेनें पैसेंजर हो जाएंगी।

मुख्यमंत्री महिला सशक्तीकरण को लेकर प्रतिबद्ध है –संजय निषाद

संवाददाता–गोरखपुर। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला सशक्तीकरण को लेकर प्रतिबद्ध हैं, और वे लगातार महिलाओं के हित में कार्य कर रहे हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में महिलाओं की भूमिका अहम होगी।

वह एनेक्सी भवन सभागार में दो दिवसीय महिला शिक्षण प्रशिक्षण शिविर एवं महिला सशक्तीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यशाला का उद्देश्य लोकसभा चुनाव में निषाद पार्टी में महिलाओं की भूमिका सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी शुरू से ही महिला सशक्तीकरण की पक्षधर रही है। विधानसभा चुनाव–2022 में निषाद पार्टी के खाते में 15 सीटें मिली थीं, उसमें निषाद पार्टी ने बांसडीह विधानसभा क्षेत्र से एक महिला प्रत्याशी को उतारा और जिताया। उन्होंने कहा कि महिलाएं भी हर क्षेत्र में आगे आएं और अपने समाज, परिवार का विकास करें। केंद्र व प्रदेश सरकार की यही योजना लेकर जन–जन तक हम पहुंच रहे हैं।

सरकारी जमीन पर बने पक्के मकानों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत कपिलवस्तु में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के दक्षिण सरकारी जमीन पर कब्जा कर कुछ लोगों ने पक्का मकान बना रखा है। प्रशासन की चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटा तो उस पर प्रशासन की ओर से बुलडोजर चला दिया गया। बाकी कब्जा धारकों के खिलाफ भी जल्द कार्रवाई होगी।

नौगढ़ तहसील के तहसीलदार देवेंद्र मणि त्रिपाठी राजस्व टीम व जेसीबी के साथ बर्डपुर पहुंचे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के दक्षिण सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर पिछले 10 साल से पक्का मकान बना कर रह रहे अलोक रंजन निवासी बर्डपुर व जाहिदा निवासी ग्राम पंचायत बर्डपुर नंबर 10 टोला ठकुरापुर के पक्के अतिक्रमण पर बुलडोजर चला कर उसे ध्वस्त कर दिया गया। हालांकि इस दौरान कब्जाधारियों ने प्रशासन से मोहलत की मांग की लेकिन पूर्व में सूचना के बाद भी न हटाने से प्रशासन की ओर से कोई और मौका नहीं दिया गया। प्रशासन का बुलडोजर जिस समय चल रहा था काफी भीड़ जमा हो गई थी। प्रशासन की इस कार्रवाई से अन्य कब्जाधारकों में खलबली मच गई थी लेकिन प्रशासन की ओर से फिलहाल उनपर कार्रवाई नहीं की गई। तहसीलदार देवेंद्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि बाकी कब्जाधारियों के खिलाफ भी कार्रवाई जल्द की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी को भी सरकारी जमीनों पर कब्जा करने नहीं दिया जाएगा। जिन्होंने कब्जा कर रखा है अगर वह स्वयं से हटा लेते हैं तो ठीक है वरना उसे भी जमींदोज कर दिया जाएगा। अतिक्रमण हटाने के दौरान ईओ नवीन कुमार सिंह, लेखपाल संजय पांडेय व बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

रविदास की जयंती पर निकली शोभा यात्रा

संवाददाता–संतकबीरनगर। बेलहर खुर्द में संत शिरोमणि रविदास की जयंती धूमधाम से मनाई गई। जयंती के मौके पर संत शिरोमणि गुरु रविदास की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र निषाद ने कहा कि यात्रा में संत रविदास और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की सुंदर झांकियां सजाई गई। इसमें संत रविदास और डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन से जुड़ी कई सुंदर झांकियां शामिल की गई। झांकियों में संत रविदास की ओर से दिए संदेश को दर्शाया गया। शोभायात्रा बेलवा ठकुराई, सरहरा, कडजवनिया, बेलहर कला, बेलहर खुर्द सहित आदि गांव में रविदास शोभायात्रा निकाली गई।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com